हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 204 बेमेतरा, गुरुवार 19 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

त्वरित न्यूज

राष्ट्रपति मुर्मु आज से 21 तक मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन के दौरे पर रहेंगी

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 मार्च से 21 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के दौरे पर रहेंगी। मुर्मु अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान मथुरा, वृंदावन तथा गोवर्धन का दौरा करेंगी। इस दौरान वह वृन्दावन के प्रमुख मंदिरों के दर्शन, संतों से मुलाकात और गोवर्धन की परिक्रमा भी करेंगी। जिला प्रशासन ने उनके दौरे को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुर्मु गुरुवार को शाम 4:50 बजे आगरा एयरपोर्ट से वायुसेना के हेलीकॉप्टर द्वारा मथुरा कैंट स्थित आर्मी एरिया हेलीपैड पर पहुंचेंगी। इसके बाद शाम 5:25 बजे वह वृंदावन के होटल रेडिसनपहुंचेंगी।

इजरायल का दावा: ईरान के खुफिया मंत्री खतीब मारे गये

तेल अवीव। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने दावा किया है कि ईरान की राजधानी तेहरान में रात भर किए गए इजरायली हवाई हमले में ईरानी खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब मारे गए हैं। इजरायली अखबार टाइम्स ऑफ इजरायल ने यह जानकारी दी है। रक्षा मंत्री ने एक सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान यह भी संकेत दिया कि आज सभी मोर्चों पर चौंकाने वाली जानकारी मिल सकती है। रक्षा मंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, काट्ज़ ने कहा कि ईरान और लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध की तीव्रता बढ़ाई जा रही है। उन्होंने पुष्टि की कि रात के समय किए गए हमलों में ईरानी खुफिया मंत्री खतीब को मार दिया गया है।

शेयर बाजारों में तेजी जारी, सेंसेक्स 633 अंक उछला

मुंबई। आईटी और ऑटो सेक्टरों में जबरदस्त तेजी के दम पर घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 633.29 अंक (0.83 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 76,704.13 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 196.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत चढ़कर 23,777.80 अंक पर बंद हुआ।

भीषण अग्निकांड: तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

नयी दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम इलाके पालम में बुधवार सुबह चार मंजिला एक इमारत में भीषण आग लगने से तीन बच्चों और चार महिलाओं सहित एक ही परिवार के नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा पालम गांव के राम चौक बाजार स्थित एक कपड़े और कॉस्मेटिक शोरूम वाली इमारत में हुआ।

पुलिस और दमकल विभाग के अनुसार, आग सुबह करीब सात बजे राम मार्केट स्थित 'राजेंद्र कश्यप' (मार्केट प्रधान) की इमारत में लगी।

इस इमारत के बेसमेंट, ग्राउंड और पहली मंजिल पर कपड़ों का शोरूम

था, जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल पर परिवार रहता था।

इस आग को बुझाने में दमकल, एनडीआरएफ और वायुसेना पुलिस की टीमों ने मेहनत की।

बचाव टीमों की मदद से कुल 12 लोगों को निकाला गया, जिनमें से नौ को मृत घोषित कर दिया गया।

इनमें प्रवेश (33), कमल (39), आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22) और 15, 6 व तीन साल की तीन बच्चियां शामिल हैं।

भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के पालम इलाके में भीषण अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, मोदी ने प्रत्येक मृतक के निकटतम संबंधी को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने संदेश में कहा कि दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना अत्यंत हृदयविदारक है। उन्होंने लिखा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है।

भीषण हादसा: ईवी चार्जिंग प्वाइंट से आग से 6 लोगों की मौत

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में एक भीषण हादसे में एक घर में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई, वहीं तीन लोग घायल हैं। हादसे के बारे में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने बताया कि तड़के लगभग चार बजे इस हादसे के बारे में सूचना मिलते ही लगभग 10 से 15 मिनट के भीतर बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गया था। आग मकान की दूसरी मंजिल तक फैल गई थी। हादसे में 3 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन छह लोगों की मृत्यु हो गई। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि आग ईवी चार्जिंग प्वाइंट से लगी। ऐसा माना जा रहा है कि घर के दरवाजों में इलेक्ट्रॉनिक लॉक लगा था, जो विस्फोट के बाद फैली आग के कारण खुल नहीं पाया और घर के लोग आग की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार घर के बाहर एक ईवी कार चार्ज हो रही थी, जिसके चार्जिंग प्वाइंट में विस्फोट के कारण आग लगी। घर के अंदर लगभग 10 गैस सिलेंडर भी रखे हुए थे, जिनमें से कुछ में विस्फोट हो गया, जिसके कारण आग बहुत तेजी से फैली। बताया जा रहा है कि इंदौर के ब्रजेश्वरी एनेक्सी इलाके का ये तीन मंजिला मकान पेशे से पॉलीमर व्यवसायी मनोज पुगलिया का है।

सदन में गरमाया जंबूरी के आयोजन में कथित गड़बड़ी का मामला

रायपुर। विधानसभा के बजट सत्र में जंबूरी का आयोजन विवाद मामला उठा। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने स्काउट्स एंड गाइड्स के पदेन चेयरमैन को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि स्कूल शिक्षा मंत्री को पदेन अध्यक्ष बनाने के लिए नियमों में संशोधन कब किया गया। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने जवाब में बताया कि राज्य गठन के बाद शुरू में संस्था को स्वतंत्र रखते हुए चुनाव से अध्यक्ष चुने जाते थे। बाद में पिछली सरकार ने नियम बदलकर स्कूल शिक्षा मंत्री को पदेन अध्यक्ष बनाने का प्रावधान किया। कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि 10 दिसंबर को जंबूरी के लिए टेंडर जारी हुआ, जबकि 13 दिसंबर को मंत्री को पदेन अध्यक्ष बनाया गया, जिससे प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि जंबूरी आयोजन को देखते हुए विधिवत नियुक्ति आदेश जारी किया गया और सभी कार्य नियमों के तहत हुए। मंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के आयोजन का निर्णय 14 नवंबर

2025 को राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा लिया गया था। स्थान चयन के लिए रायपुर और बालोद का निरीक्षण किया गया, जिसके बाद बालोद को आयोजन स्थल चुना गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि टेंडर की शर्तों में बदलाव कर 90 बिंदुओं को घटाकर 52 कर दिया गया और टेंडर से पहले ही काम शुरू हो गया। मंत्री ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मुख्यालय और राज्य स्तर के कार्य अलग-अलग थे और टेंडर के बाद ही काम शुरू हुआ। विपक्ष ने करीब 5 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप भी लगाया, जिसे मंत्री ने सिरे से नकार दिया और कहा कि अब तक किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के नेतृत्व में सरकार पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया और सदन से वाकआउट कर दिया।

असम में कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर, कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला : भूपेश बघेल

रायपुर। असम में कांग्रेस के नेताओं के दल बदल को लेकर कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना

साधते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा भाजपा को कांग्रेसमय करके ही मानेंगे। उन्होंने कहा कि नेताओं का दल बदलना कोई नई बात नहीं है लेकिन इससे कांग्रेस पार्टी पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। बघेल ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुये यह कहा। इस दौरान बघेल ने नक्सलवाद के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि उल्टी गिनती शुरू हो गई है और अब सिर्फ 13 दिन शेष हैं। उन्होंने कहा - सरकार नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा करे, अब बस उसी का इंतजार है। कांग्रेस महासचिव की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब 140 आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही देखने का मौका दिया गया।

इनमें 54 महिलाएं और 86 पुरुष शामिल थे। पहले भी इसी सत्र के दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों को विधानसभा की कार्रवाई देखने के लिए आमंत्रित किया गया था। गौरतलब है कि राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने हाल ही में नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हुए कहा था कि सरकार उनके स्वागत के लिए रेड कॉर्पेट बिछाएगी और उनका सम्पूर्ण पुनर्वास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने शुक्ला का शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों के मध्य क्षेत्रीय विकास, आपसी समन्वय एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों राज्यों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने बताया कि अब

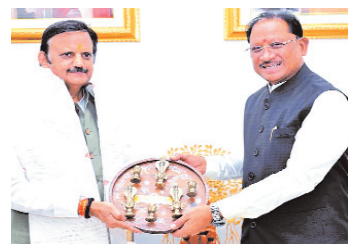

रीवा-रायपुर से सीधे हवाई मार्ग से जुड़ गया है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के साझा प्रयासों से दोनों राज्यों के लोगों को हवाई सेवा की बड़ी सौगात मिली है। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने इस दिशा में मुख्यमंत्री साय के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और आगे भी दोनों राज्यों के साझा हितों को आगे बढ़ाने की बात कही। उल्लेखनीय है रायपुर और रीवा के मध्य हवाई सेवा प्रारंभ हो गई है। इससे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के लोगों की यात्रा आसान होगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, डॉ. हिमांशु द्विवेदी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई: म्यांमार आतंकी कनेक्शन में सात विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह यूक्रेनी नागरिक और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। इन पर म्यांमार में आतंकी गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण देने का आरोप है।

एनआईए के अनुसार, सभी आरोपी अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और म्यांमार में हथियार चलाने तथा ड्रोन ऑपरेशन का प्रशिक्षण देने में कथित रूप से शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रशिक्षण में इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन यूरोप से खरीदे गए थे। गिरफ्तार आरोपियों को विशेष एनआईए अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल एजेंसी आरोपियों से अवैध प्रवेश, हथियार प्रशिक्षण, ड्रोन संचालन और ड्रोन खरीद नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ कर रही है।

रीवा-रायपुर हवाई सेवा से विकास को नई गति, दोनों राज्यों के बीच बढ़ी कनेक्टिविटी : राजेन्द्र शुक्ल

रायपुर। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल अपने दो दिवसीय प्रवास पर मंगलवार शाम रायपुर पहुंचे। अपने दौरे के दौरान वे विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और शिष्टाचार कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने रायपुर पहुंचने के बाद वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में

दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद क्वींस क्लब में विंध्य समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए, जहां उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा से रायपुर के लिए शुरू हुई हवाई सेवा से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़कों और रेल सेवाओं के साथ हवाई संपर्क भी अत्यंत आवश्यक है। रीवा से दिल्ली और इंदौर के लिए पहले ही हवाई सेवाएं शुरू हो चुकी हैं, जिससे व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने रीवा से दुर्ग तक प्रस्तावित ट्रेन सेवा को लेकर भी सकारात्मक प्रयास करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच गहरे संबंध हैं और यह हवाई सेवा दोनों राज्यों के बीच दूरी कम करने के साथ आपसी जुड़ाव को भी मजबूत करेगी। विधायक किरण सिंहदेव ने इसे आवागमन को आसान बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। उपमुख्यमंत्री के तय कार्यक्रम के अनुसार 18 मार्च को वे सुबह 11:15 बजे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके निवास में शिष्टाचार भेंट करेंगे।

11 साल बाद नसबंदी कांड में फैसला: लापरवाही साबित, सर्जन को दो साल की सजा

बिलासपुर। साल 2014 के बहुचर्चित नसबंदी कांड में करीब 11 साल चार महीने बाद बिलासपुर जिला अदालत ने आज महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेश कुमार की अदालत ने मामले में आरोपी सर्जन डॉ. आर.के. गुप्ता को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा और 25 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है। अदालत ने अपने फैसले में माना कि सर्जन द्वारा अत्यधिक कम समय में बड़ी संख्या में ऑपरेशन करना गंभीर लापरवाही का

मामला है। सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि डॉ. गुप्ता ने करीब तीन घंटे में 83 नसबंदी ऑपरेशन किए थे, जिससे संक्रमण और अन्य जटिलताओं का खतरा बढ़ गया। यह घटना नवंबर 2014 में बिलासपुर जिले के पेंडारी और पेंड्रा में आयोजित सरकारी नसबंदी शिविरों के दौरान हुई थी। ऑपरेशन के बाद कई महिलाओं की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। स्थिति गंभीर होने पर 100 से अधिक महिलाओं को सिम्स, जिला अस्पताल और अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 15 महिलाओं की मौत हो गई थी। मामले की जांच के दौरान संक्रमण (सेप्टीसीमिया) और ऑपरेशन के बाद दी गई दवा 'सिप्रोसिन' में जिंक फॉस्फाइड (चूहामार जहर) मिलाए जाने जैसे आरोप भी सामने आए थे। हालांकि, दवा में जहर मिलाने के आरोपों को लेकर पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर महावर फार्मा और कविता फार्मास्यूटिकल्स से जुड़े पांचों आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया।

पूर्वोत्तर राज्यों और पर्वतीय इलाकों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ की सीमा रखी गयी

भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत बनेंगे 100 नये विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्क

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 33,660 करोड़ रुपये की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके तहत देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जायेगा जिससे विनिर्माण को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि हर औद्योगिक पार्क 100 एकड़ से 1,000 एकड़ के क्षेत्रफल में होगा। पूर्वोत्तर राज्यों और पर्वतीय इलाकों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ की सीमा रखी गयी है। केंद्र सरकार प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये की वित्तीय मदद देगी जिससे पार्कों के अंदर सड़कें, भूमिगत यूटिलिटी सुविधाएं, नाली, साझा ट्रीटमेंट संयंत्र और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

तथा प्रशासनिक तंत्र तैयार किये जायेंगे। साथ ही निवेशकों के लिए फैक्ट्री शेड, जांच प्रयोगशालाएं और वेयरहाउस भी पहले से तैयार होंगे। श्रमिकों के रहने के लिए घर और अन्य सहायक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक की केंद्रीय मदद बाह्य बुनियादी ढांचों के लिए दी जायेगी। वैष्णव ने कहा कि सरकार की नीतियों में स्थिरता, प्रतिभा भंडार और डिजाइनिंग की क्षमता के दम पर भारत विनिर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन कर उभरा है। प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों से 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'मेक इन इंडिया' को समर्थन मिलेगा और विशेषकर युवा वर्ग को काफी लाभ होगा। उन्हें विनिर्माण सेक्टर में रोजगार के अवसर मिलेंगे और आने वाले समय में देश को बहुत फायदा होगा। उन्होंने बताया कि यह छह साल का कार्यक्रम होगा। राज्य सरकारों, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी डेवलपरों के साथ मिलकर कुल 34,000 एकड़ में निवेश के लिए तैयार क्षेत्र विकसित करने का लक्ष्य है।

पीएम मोदी ने कुवैत के शहजादे के साथ पश्चिम एशिया घटनाक्रम पर बात की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के शहजादे शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बातचीत कर उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया के सुरक्षा घटनाक्रम की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी ने कुवैत के शहजादे शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की और आगामी ईद पर्व की शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान मोदी और शहजादे ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटना मों पर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हुए हमलों की भारत द्वारा निंदा को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और मुक्त नौवहन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कूटनीतिक संवाद आवश्यक है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: चुनाव आयोग का बड़ा कदम 11 जिलाधिकारी और केएमसी कमिश्नर हटाए गए

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए 11 जिलाधिकारियों (डीएम) और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के आयुक्त को उनके पद से हटा दिया है। आयोग इससे पहले भी राज्य के शीर्ष नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों पर भी इसी तरह की कार्रवाई कर चुका है। आयोग की जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रशासनिक तटस्थता को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर प्रमुख जिलों में जिलाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के रूप में तैनात करने का निर्देश दिया गया है। इस बड़े फेरबदल के तहत आयोग ने कई जिलों के प्रशासनिक प्रमुखों को बदलते हुए नए अधिकारियों की नियुक्ति की है। आदेश के मुताबिक, कूचबिहार में राजू मिश्रा के स्थान पर जितिन यादव और जलपाईगुड़ी में रवि प्रकाश मीणा की जगह संदीप घोष को नियुक्त किया गया है। उत्तर दिनाजपुर में भी बदलाव किया गया है, जहाँ सुरेंद्र कुमार मीणा के स्थान पर विवेक

कुमार कार्यभार संभालेंगे। इसी प्रकार मालदा और मुर्शिदाबाद में क्रमशः प्रीति गोयल और नितिन सिंघानिया के स्थान पर राजबीर सिंह कपूर और आर अर्जुन को तैनात किया गया है। नदिया जिले में निखिल निर्मल को हटाकर श्रीकांत पल्ली को लाया गया है, जबकि पूर्वी बर्धमान में आयशा रानी की जगह श्वेता अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। आयोग ने उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों के नेतृत्व में भी बदलाव किया है, जहाँ उत्तर 24 परगना में शशांक सेठी की जगह शिल्पा गौरीसरिया और दक्षिण 24 परगना में अरविंद कुमार मीणा के स्थान पर अभिषेक कुमार तिवारी को नियुक्त किया गया है। उत्तरी पहाड़ी जिले दार्जिलिंग में सुनील अग्रवाल के स्थान पर हरिशंकर पाणिक्कर को तैनात किया गया है, वहीं अलीपुरद्वार में आर विमला को हटाकर टी बालसुब्रमण्यम को नया जिलाधिकारी-सह-डीईओ बनाया गया है। कोलकाता में केएमसी आयुक्त अंशुल गुप्ता के स्थान पर स्मिता पांडे को नियुक्त किया गया है, जो कोलकाता उत्तर के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में भी कार्य करेंगी जबकि रणधीर कुमार को कोलकाता दक्षिण का डीईओ नियुक्त किया गया है।

आयोग ने निर्देश दिया है कि नवनियुक्त अधिकारी तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभालें और 19 मार्च को दोपहर 3:00 बजे तक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनावी प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव संबंधी कार्य में नहीं लगाया जाएगा। राज्य प्रशासन पर बढ़ती निगरानी के बीच स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने यह सख्त कदम उठाया है।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण सम्पन्न, कलेक्टर एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा व प्रबंधन व्यवस्था का लिया जायजा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मार्च माह का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण बीते बुधवार को प्रातः 11 बजे शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुआ। निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के नेतृत्व में संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का गहन परीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, ताले एवं सील की स्थिति, डबल लॉक सिस्टम, अभिलेख पंजी (रिकॉर्ड रजिस्टर) तथा प्रवेश-निकास प्रक्रिया का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि निर्वाचन से संबंधित सभी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित एवं संरक्षित रूप से रखी गई हैं। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री ममगाई ने कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता का आधार हैं, अतः इनके भंडारण, रखरखाव एवं सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ बनाए रखें तथा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी प्रोटोकॉल एवं मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर गुड्डू लाल जगत, जिला कोषालय अधिकारी, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वेयरहाउस की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक बिंदुओं पर संतुष्टि व्यक्त की। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी निरीक्षण प्रक्रिया में भाग लेते हुए वेयरहाउस की सुरक्षा एवं प्रबंधन व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने इसे निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जनविश्वास बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कलेक्टर ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक तिमाही में ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का आंतरिक निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाता है, ताकि उपकरणों की सुरक्षा, पारदर्शिता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। समग्र रूप से यह निरीक्षण प्रक्रिया शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई, जिससे जिले में आगामी निर्वाचन संबंधी तैयारियों की सुदृढ़ता एवं प्रशासनिक सजगता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

अप्रारंभ एवं अधूरे आवासों पर सख्ती: हितग्राहियों से होगी राशि वसूली, प्रशासन ने जारी की अंतिम चेतावनी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण में लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों पर अब प्रशासन सख्त कार्रवाई करने जा रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अप्रारंभ एवं अधूरे पड़े आवासों की समीक्षा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जहां प्रथम किस्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया या बीच में ही कार्य रोक दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए चरणबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वे समय पर अपना पक्का मकान तैयार कर सकें। किंतु कुछ हितग्राहियों द्वारा राशि प्राप्त करने के पश्चात भी निर्माण कार्य में रुचि नहीं दिखाई जा रही है, जिससे न केवल योजना की प्रगति प्रभावित हो रही है, बल्कि शासन के संसाधनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए कलेक्टर महोदय के निर्देशन में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों के माध्यम से ऐसे सभी प्रकरणों की सूची तैयार कर संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को भेज दी गई है। निर्देश दिए गए हैं कि इन हितग्राहियों को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किया जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य प्रारंभ या पूर्ण नहीं करने की स्थिति में उनसे दी गई राशि की वसूली की कार्रवाई की जाए।

जारी आंकड़ों के अनुसार-जनपद पंचायत बेमेतरा में वर्ष 2016-23 के 84 प्रकरण तथा वर्ष 2024-26 के 277 प्रकरण चिन्हित किए गए हैं। जनपद पंचायत बेरला में वर्ष 2016-23 के 42 प्रकरण सामने आए हैं।जनपद पंचायत नवागढ़ में वर्ष 2016-23 के 105 एवं वर्ष 2024-26 के 324 प्रकरण शामिल हैं।जनपद पंचायत साजा में वर्ष 2016-23 के 37 एवं वर्ष 2024-26 के 60 प्रकरण चिन्हित किए गए हैं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन हितग्राहियों द्वारा वास्तविक कारणों से निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है, वे संबंधित अधिकारियों को उचित प्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। वहीं, जानबूझकर लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व वसूली की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सतत निगरानी रखते हुए योजना के कार्यों में तेजी लाएं, ताकि जिले के प्रत्येक पात्र परिवार को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही, उन्होंने हितग्राहियों से अपील की है कि वे शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाते हुए अपने आवास का निर्माण शीघ्र पूर्ण करें और प्रशासन के साथ सहयोग करें।इस कार्रवाई से जिले में योजना के क्रियान्वयन में गति आने की उम्मीद है तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

शहर और ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में विधान सभा घेराव में शामिल हुए जिले से बड़ी संख्या में कांग्रेसी

कोरबा/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस के द्वारा रायपुर के शंकर नगर में रैली और विधानसभा घेराव कार्यक्रम में कोरबा जिला से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश कुमार राठौर एवं मनोज चौहान के नेतृत्व में कोरबा के कांग्रेस पदाधिकारी रायपुर पहुंचे, जहां इन्होंने रैली एवं विधानसभा घेराव कार्यक्रम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराया साथ ही ये सभी कांग्रेसी नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत एवं पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के निवास पहुंचकर सौजन्य मुलाकात भी किया। जिला अध्यक्ष मुकेश राठौर ने बताया कि मनरेगा में सुधार के नाम पर रोजगार गारंटी को खत्म करना, बिजली बिल के दरों में बढ़ोत्तरी, धान खरीदी में अनियमितता, घरेलु एवं व्यवसायिक गैस सिलेण्डर के दामों में भारी वृद्धि को लेकर सरकार के खिलाफ उक्त रैली एवं घेराव का कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें कोरबा के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारी भारी संख्या में पहुंचे थे।

नक्सल प्रभावित बीजापुर में बढ़ रही ऑयल पाम खेती, भैरमगढ़ के किसान दिखे उत्साहित

कंपनी के निदेशक ने बागानों का किया निरीक्षण, इंद्रावती कैचमेंट क्षेत्र में खेती बढ़ाने की तैयारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में अब खेती के क्षेत्र में भी धीरे-धीरे बदलाव दिखाई देने लगा है। खासकर भैरमगढ़ और उसूर जैसे इलाकों में ऑयल पाम (ताड़) की खेती को लेकर किसानों की रुचि बढ़ रही है। इस दिशा में प्री यूनिक एशिया प्राइवेट लिमिटेड की पहल चर्चा में है। कंपनी के निदेशक डॉ. प्रसाद राव पसम ने 14 मार्च को भैरमगढ़ विकासखंड का दौरा कर यहां लगाए गए ऑयल पाम बागानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने करीब 6 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित चार बागानों को देखा और किसानों से खेती के अनुभव के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि ऑयल पाम खेती से उन्हें भविष्य में बेहतर आय की उम्मीद है। किसानों ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) योजना के तहत मिल रहे सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए भी संतोष जताया। उनका कहना है कि अगर ऐसी योजनाओं का लाभ लगातार मिलता रहा तो क्षेत्र में खेती के नए अवसर बढ़ेंगे। डॉ. पसम ने कहा कि नक्सल प्रभावित इलाकों में उद्यानिकी आधारित खेती को बढ़ावा देना जरूरी है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और क्षेत्र में विकास की रफ्तार भी तेज होगी। उन्होंने बताया कि भैरमगढ़ में ऑयल पाम खेती की शुरुआत अच्छी रही है और आने वाले समय में इसे और बढ़ाने की योजना है। उन्होंने कहा कि इंद्रावती नदी के कैचमेंट क्षेत्र में भी ऑयल पाम खेती के लिए अधिक भूमि विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसानों को रोजगार और स्थायी आय के अवसर मिल सकें। स्थानीय किसानों का मानना है कि अगर इस तरह की योजनाएं लगातार चलती रहीं तो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी विकास की नई तस्वीर दिखाई देगी और गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

देवकर में गंदे पानी की शिकायत पर पानी कि हुई जांच पेयजल पूरी तरह सुरक्षित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पंचायत देवकर में गंदे एवं बदबूदार पानी की आपूर्ति को लेकर उठे विवाद पर अब स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा की गई विस्तृत जांच में पेयजल को पूरी तरह सुरक्षित, स्वच्छ एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया है। नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी केशराम साहू ने बताया कि बीते दिनों कुछ शिकायतकर्ताओं द्वारा गंदे पानी की आपूर्ति की बात कही गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पानी के नमूने एकत्र कर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बेमेतरा को परीक्षण हेतु भेजे गए। प्राप्त जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि जल पूरी तरह पेय योग्य है और गुणवत्ता के सभी मानकों पर खरा उतरता है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत देवकर के वार्ड क्रमांक 03 में हाई स्कूल के पास स्थित 240 क्षमता वाले ओवरहेड टैंक से जलापूर्ति की जाती है। इसी क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा नालों से गंदा पानी सप्लाई होने की अफवाह फैलाई गई थी, शिकायत के बाद नगर पंचायत प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान जलापूर्ति व्यवस्था की बारीकी से जांच की गई और विभिन्न घरों में जाकर नल के पानी का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई घरों में पानी पूरी तरह साफ और उपयोग योग्य पाया गया, जिससे अफवाहों की सच्चाई सामने आ गई। जांच टीम द्वारा ओवरहेड टैंक का भी गहन निरीक्षण किया गया, जिसमें कहीं भी गंदगी या प्रदूषण के संकेत नहीं मिले। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों से लिए गए पानी के सैंपल की प्रयोगशाला जांच में भी जल पूरी तरह सुरक्षित पाया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी या अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत द्वारा नियमित रूप से जल गुणवत्ता की निगरानी की जाती है और नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मनरेगा बचाओ महासंग्रामः रायपुर में विधानसभा घेराव, बेमेतरा से हजारों कार्यकर्ता शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित ÷मनरेगा बचाओ महासंग्राम÷ के तहत राजधानी रायपुर में हुए विधानसभा घेराव कार्यक्रम में बेमेतरा जिले से हजारों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं मनरेगा से जुड़े श्रमिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने किया। इस दौरान जिले के सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए आंदोलन को मजबूत समर्थन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि मनरेगा कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक और जनहितकारी योजना है, जिसने देश के गांव-गांव में गरीब और मजदूर वर्ग को रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से लाखों लोगों को काम मिला, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने, बंद करने और इसका नाम बदलने की कोशिश की जा रही है, जो मजदूरों के अधिकारों के खिलाफ है।

श्री छाबड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा मजदूरों, किसानों और गरीबों के हित में खड़ी रही है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी। इस महासंग्राम में शामिल श्रमिकों और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाते हुए विधानसभा घेराव को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मातृत्व वंदना योजना से मिली मजबूती, बेरलाकला की टिकेश्वरी साहू का प्रेरक अनुभव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में ग्राम बेरलाकला निवासी टिकेश्वरी साहू ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से मिले लाभ को अपने जीवन में महत्वपूर्ण सहारा बताया।

टिकेश्वरी साहू ने बताया कि उनका परिवार कृषि पर निर्भर है और गृहिणी होने के कारण वे परिवार की आय पर आश्रित थीं। सीमित संसाधनों के चलते उन्हें अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती थी, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा था। गर्भावस्था की जानकारी मिलने पर खुशी के साथ-साथ शिशु की देखभाल को लेकर चिंता भी बढ़ गई थी। इसी दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन बहनों के सहयोग से उनका योजना में पंजीयन किया गया और उन्हें योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत प्राप्त पहली किस्त का उपयोग उन्होंने पौष्टिक आहार और आवश्यक स्वास्थ्य जांच के लिए किया, वहीं दूसरी किस्त का उपयोग प्रसव पूर्व देखभाल और अन्य जरूरतों में किया। उन्होंने बताया कि इस आर्थिक सहायता से उन्हें न केवल वित्तीय सहयोग मिला, बल्कि मानसिक रूप से भी आत्मविश्वास बढ़ा। वर्तमान में वे और उनका शिशु स्वस्थ हैं। टिकेश्वरी साहू ने शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना मातृत्व काल में महिलाओं के लिए एक मजबूत सहारा साबित हो रही है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिन बहनों की सक्रिय भूमिका को भी सराहा। जिला प्रशासन द्वारा सभी पात्र महिलाओं से अपील की गई है कि वे इस योजना का लाभ अवश्य लें, ताकि मातृत्व काल सुरक्षित, स्वस्थ और तनावमुक्त बनाया जा सके।

स्कूल शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न, संयुक्त बैठक में शिक्षा और योजनाओं की हुई गहन समीक्षा

स्कूली बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ समय पर मिले योजनाओं का लाभ: कलेक्टर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के दिशा सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिवासी विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का समय पर लाभ सुनिश्चित करना रहा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित, सुदृढ़ एवं उज्ज्वल बनाने के लिए एक स्पष्ट एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर पर संचालित सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र छात्र-छात्रा तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अधोसंरचना पर विशेष जोर-कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण, पेयजल एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। निर्माण कार्यों में लापरवाही या विलंब करने वाली एजेंसियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बच्चों के अध्ययन के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

छात्रवृत्ति, परीक्षा परिणाम और मध्यान भोजन पर फोकस-बैठक में कलेक्टर ने छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत पात्र विद्यार्थियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा परिणामों में सुधार लाने के लिए विशेष कक्षाओं के संचालन, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की निगरानी एवं शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया।इसके साथ ही मध्यान भोजन योजना की गुणवत्ता एवं नियमितता की भी सतत निगरानी करने के निर्देश दिए गए, ताकि बच्चों को पोषणयुक्त एवं स्वच्छ भोजन मिल सके।

जाति प्रमाण पत्र निर्माण में लाने होंगे तेजी-कलेक्टर ने कहा कि स्कूली बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसके अभाव में उन्हें कई शैक्षणिक एवं शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जाति प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर अनुमोदन योग्य प्रकरणों को शीघ्र प्रस्तुत कर समयबद्ध तरीके से प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

आदिवासी विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा-बैठक में आदिवासी विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देते हुए सुरक्षा, साफ-सफाई एवं भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। फील्ड विजिट और औचक निरीक्षण के निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने तथा स्कूलों एवं छात्रावासों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संयुक्त प्रयासों से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी-बैठक के अंत में कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं संयुक्त प्रयासों से सभी योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि उनके माध्यम से बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाना है। इस दिशा में सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध-समग्र रूप से बैठक में लिए गए निर्णयों से यह स्पष्ट हुआ कि जिला प्रशासन बच्चों को बेहतर शिक्षा, आवश्यक सुविधाएं एवं योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इन प्रयासों से जिले में शिक्षा के स्तर में सुधार के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलेगी।

सारंगढ़ की सड़कों पर हादसों को दावत दे रहे 'अदृश्य' ब्रेकर; विकास कोसले ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

उप-शीर्षक: गढ़ चौक और कॉलेज मोड़ जैसे संवेदनशील इलाकों में तत्काल 'सिग्नल बोर्ड' लगाने की मांग; कल हुए हादसे का दिया हवाला।

बेमेतरा/मूक पत्रिका

18 मार्च 2026 सारंगढ़ ब्लॉक के क्षेत्र समस्या निवारण अध्यक्ष श्री विकास कोसले ने नगर की यातायात व्यवस्था और जनसुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर के मुख्य मार्गों पर स्थित गति अवरोधकों (ब्रेकर्स) के कारण लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए, उन्होंने माननीय कलेक्टर महोदय के नाम डिप्टी कलेक्टर को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा।

प्रमुख बिंदु और मांगें:

1. अदृश्य मौत के जाल बने ब्रेकर: ज्ञापन में बताया गया कि कलेक्ट्रेट के सामने, गढ़ चौक (बिलासपुर मुख्य मार्ग) और कॉलेज मोड़ जैसे व्यस्त क्षेत्रों में कुल 6 गति अवरोधक बनाए गए हैं। लेकिन, इनके बगल में कोई भी चेतावनी या 'गति अवरोधक सूचक बोर्ड' (Signal Board) नहीं लगा है। 2. तेज रफ्तार और दुर्घटनाएं: रात के अंधेरे या तेज रोशनी में वाहन चालकों को ये ब्रेकर दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

3. ताज़ा हादसे का उल्लेख: श्री कोसले ने प्रशासन का ध्यान कल (17 मार्च) गढ़ चौक पर हुए ट्रैक्टर और स्कूटी के बीच भीषण टक्कर की ओर आकर्षित किया, जो इन बोर्डों के अभाव के कारण हुई।

4. जनहित में त्वरित कार्रवाई: ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से पुरजोर मांग की गई है कि भविष्य में किसी भी बड़ी जनहानि को रोकने के लिए इन सभी 6 स्थानों पर तत्काल रिफ्लेक्टर वाले सिग्नल बोर्ड लगाए जाएं।

नेतृत्व और उपस्थिति:

ज्ञापन सौंपते समय विकास कोसले के साथ संगठन के संयुक्त महामंत्री विक्रम जोल्हे, संयुक्त सचिव विष्णु रात्रे एवं अन्य कांग्रेस जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

सीसी रोड निर्माण पर महापौर ने दिए जांच और कार्रवाई के निर्देश

रायगढ/मूक पत्रिका

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 बैकुंठपुर स्थित महावीर चौक गली में निर्माणाधीन सीसी रोड के कार्य में गुणवत्ता को लेकर गंभीर शिकायत सामने आने पर महापौर जीवर्धन चौहान ने तत्काल संज्ञान लिया। शिकायत प्राप्त होते ही महापौर एमआईसी सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मेयर श्री चौहान के निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने निर्माण कार्य में लापरवाही, घटिया सामग्री के उपयोग एवं निर्धारित मानकों की अनदेखी के आरोप लगाए। मोहल्लेवासियों की शिकायतों के आधार पर किए गए निरीक्षण में कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर महापौर ने कड़ी नाराजगी जताई। महापौर श्री चौहान ने मौके पर उपस्थित संबंधित इंजीनियर को निर्माण कार्य की विस्तृत तकनीकी जांच के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने दोषी पाए जाने पर ठेकेदार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि उक्त सीसी रोड का निर्माण निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पुनः कराया जाए, ताकि आमजन को बेहतर सुविधा मिल सके। महापौर श्री चौहान ने कहा कि किसी भी विकास कार्य में लापरवाही या अनियमितता को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी की मंशा के अनुरूप क्षेत्र में केवल गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ विकास कार्य ही किए जाएंगे। नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर एवं स्थायी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसमें किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य श्री अमित शर्मा, श्री मुक्तिनाथ बबुआ सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गर्मी की दस्तक के साथ नगर निगम की पेयजल व्यवस्था लड़खड़ाई

64 सबमर्सिबल पंप खराब , 77 जगह की पाइप लाइन हुई लीकेज

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर में गर्मी की शुरुआत होते ही पेयजल व्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा है। वार्डों में पेयजल आपूर्ति के लिए लगाए गए सबमर्सिबल पंप और हैंडपंपों के खराब होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। मार्च माह में अब तक विभिन्न वार्डों से 64 सबमर्सिबल पंप एवं 16 हैंडपंप खराब होने की शिकायत दर्ज की गई है, जिससे कई इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।नगर निगम के जल विभाग के अनुसार, गर्मी बढ़ने के साथ ही पानी की मांग में अचानक इजाफा हुआ है। इससे सबमर्सिबल पंपों पर अधिक लोड पड़ रहा है। इसके साथ ही भू-जल स्तर में गिरावट के कारण कई स्थानों पर पाइप लाइन की लंबाई बढ़ाने की जरूरत पड़ रही है। वहीं स्टार्टर में खराबी और तकनीकी दिक्कतों के चलते भी पंप बार-बार बंद हो रहे हैं।

17 दिनों में 77 पाईप लीकेज की शिकायत-गौरतलब हो कि शहर में वर्षों पुरानी पाइप लाइनों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। मार्च महीने में ही अलग-अलग वार्डों में 77 स्थानों पर पाइप लाइन लीकेज की शिकायतें सामने आई हैं। लगातार उपयोग, जंग लगने और समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण पाइप कमजोर हो चुके हैं, जिससे आए दिन लीकेज की समस्या खड़ी हो रही है।निगम के जल विभाग के लिए खराब पंपों की मरम्मत, पाइप लाइन सुधार और नई पाइप लाइन बिछाने का काम एक साथ चुनौती बना हुआ है। विभाग द्वारा मरम्मत

कार्य लगातार कराया जा रहा है, लेकिन शिकायतों की संख्या अधिक होने से समस्या का त्वरित समाधान नहीं हो पा रहा है।पानी की अनियमित आपूर्ति से शहर के कई वार्डों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अमृत मिशन के तहत युद्धस्तर पर शहर में पाइप लाइन बिछाने का कार्य तो किया जा रहा है।परन्तु अब तलक किए गए योजना के तहत कार्य का कोई सार्थक परिणाम सामने नहीं आ सका है।अलबत्ता अब भी घरों में पुरानी व्यवस्था के तहत सबमर्सिबल पंपों के भरोसे ही पेयजल आपूर्ति हो रही है।

16 टैंकरों के भरोसे 48 वार्ड-प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के 48 वार्डों में पेयजल आपूर्ति मुख्य रूप से 432 सबमर्सिबल पंपों के माध्यम से की जा रही है।

यानी औसतन प्रत्येक वार्ड में सीमित संख्या में ही पंपों के सहारे पूरी आबादी की जल जरूरतें पूरी की जा रही हैं।निगम के जवाब में यह भी स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में विभिन्न क्षमता के कुल 5 मोटर पंप समर्सिबल पंपों पर लगाए गए हैं, जिनसे पानी की आपूर्ति की जाती है। वही 48 वार्डों के लिए अकस्मात जल संकट से निपटने के लिए निगम के पास केवल 16 टैंकर उपलब्ध हैं, जिनके जरिए जरूरत पड़ने पर पानी सप्लाई किया जाता है। लेकिन शहर की बढ़ती आबादी और क्षेत्रफल को देखते हुए यह संख्या पर्याप्त नहीं मानी जा रही है।स्थानीय स्तर पर लगातार खराब हो रहे पंप, गिरता जलस्तर और सीमित टैंकर व्यवस्था आने वाले दिनों में शहर के कई वार्डों में जल संकट को और गहरा सकते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वर्तमान संसाधनों के भरोसे निगम गर्मी में सुचारू जल आपूर्ति कर पाएगा या फिर नागरिकों को एक बार फिर पानी के लिए जूझना पड़ेगा।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, ट्रांसफार्मर पर काम के दौरान हादसा

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोटिया में मंगलवार शाम करीब 5 बजे एक दर्दनाक हादसा हो गया। बिजली सुधार कार्य के दौरान संजय केरकेट्टा नामक युवक ट्रांसफार्मर पर चढ़ा हुआ था, तभी वह अचानक करंट की चपेट में आ गया। झटका इतना तेज था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार, कार्य के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह घटना एक बार फिर बिजली से जुड़े कार्यों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

स्वास्थ्य विभाग की सख्त कार्रवाई, दो अवैध क्लीनिक किए सील

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो क्लीनिकों को बंद करा दिया। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अधिकारी डॉ. सुदर्शन भारद्वाज के नेतृत्व में की गई।स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतों और नियमित निरीक्षण अभियान के तहत टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच की। इस दौरान स्टेशन रोड सक्ती स्थित एक मकान में बिना वैध डिग्री और पंजीयन के मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया। वहीं ग्राम टेमर क्षेत्र में भी बिना आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और पंजीयन के चिकित्सा कार्य किए जाने की पुष्टि हुई। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके,

जिससे अवैध रूप से चिकित्सा कार्य करना स्पष्ट हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम ने तत्काल प्रभाव से दोनों क्लीनिकों को बंद करा दिया। साथ ही आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल ने निर्देश दिए हैं कि बिना वैध डिग्री, पंजीयन और अनुमति के किसी भी प्रकार का चिकित्सा कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नर्सिंग होम एक्ट सहित अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। अवैध क्लीनिकों और अप्रमाणित व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे उपचार पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे उपचार के लिए केवल पंजीकृत और योग्य चिकित्सकों से ही संपर्क करें। यदि कहीं अवैध क्लीनिक या अप्रमाणित चिकित्सक द्वारा इलाज किए जाने की जानकारी मिले, तो इसकी सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें, जिससे समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

घरघोड़ा न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा साथ ही साथ अर्थ दंड से भी दंडित किया

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

अपरसत्र न्यायाधीश श्रीमान अभिषेक शर्मा के न्यायालय ने हत्या के आरोपी अलवंन तिग्गा को उसकी पत्नी ग्रेस तिग्गा की हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा?1000 के अर्थ दण्ड से दंडित करने का दण्डा देश दिया। मामले का संक्षिप्त विवरण देते हुए अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने बताया कि थाना लैलूंगा के अपराध क्रमांक 81/2022 के अनुसार घटना दिनांक 16 /4 /2022 की है। सूचक अल्फोंन तिग्गा ने थाना लैलूंगा मैं उपस्थित होकर सूचना दिया कि उसके ससुर अभियुक्त अलवन तिग्गा द्वारा उसकी सास श्रीमती ग्रेस तिग्गा के साथ दिनांक 15/4/22 को शाम 7:00 से 8:00 बजे के बीच खाने पीने की बात को लेकर लड़ाई झगड़ा हुआ।

पति पत्नी के मध्य विवाद इतना बढ़ गया कि, अभियुक्त पति ने अपनी पत्नी के गले छाती में टांगी से तीन चार बार वार किया जिससे मृतिका को गंभीर चोट आई और उसकी मृत्यु हो गई । सूचक अल्फोंन तिग्गा को मनोज एक्का के द्वारा फोन से घटना की सूचना दी गई तब सूचना कर्ता अपने ससुराल में जाकर देखा तो उसकी सास घर के अंदर चित हालत में पड़ी थी तथा उसके गले एवं छाती में तीन चार जगह गहरी चोट के निशान थे, सूचक अल्फोंन तिग्गा ने घटना के बारे में जोसेफ बड़ा जगलाल डेल्की राकेश किंडो एवं ललित कुमार राठिया को बताया था सूचक की सूचना के आधार पर तत्कालीन विवेचना अधिकारी उप निरीक्षक बी एस पैंकरा ने थाना लैलूंगा के अपराध क्रमांक 81/2022के अनुसार अपराध पंजीवद्ध कर घटना की विवेचना प्रारंभ की विवेचना उपरांत अभियुक्त अलवंन तिग्गा के अपराध किया जाना पाए जाने पर उसके विरुद्ध धारा 302 भारतीय दंड संहिता के तहत न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया था ।

अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा ने विचारण के दौरान उभय पक्ष को सभी साक्षियों का परीक्षण प्रति परीक्षण का अवसर दिया तथा उभय पक्ष के तर्क श्रवण करने के पश्चात मामले में आरोपी अलवंन तिग्गा को उसकी पत्नी श्रीमती ग्रेस तिग्गा की हत्या का दोषी ठहराया और धारा 302 भारतीय दंड संहिता के तहत आजीवन कारावास एवं?1000 के अर्थ दंड से दंडित किए जाने का दंडादेश दिया। विद्वान न्यायालय ने मृतिका ग्रेस तिग्गा के आश्रितों को ?100000 की क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की अनुशंसा की है मामले में राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पक्ष रखा।

धरमजयगढ़ में कोर्ट भवन निर्माण को लेकर बवाल: पुलिस कॉलोनी की महिलाओं और वकीलों के बीच तीखा विवाद, प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती

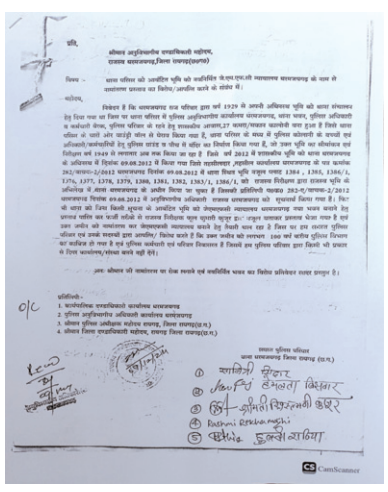

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ में प्रस्तावित न्यायालय भवन निर्माण को लेकर विवाद अब खुलकर सामने आ गया है और स्थिति तनावपूर्ण होती जा रही है।

थाना परिसर की भूमि पर कोर्ट भवन बनाए जाने के प्रस्ताव के विरोध में आज पुलिस कॉलोनी में रहने वाली महिलाओं और वकीलों के बीच तीखा टकराव देखने को मिला। मौके पर जमकर हंगामा हुआ और दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस चलती रही। मिली जानकारी के अनुसार, न्यायालय भवन निर्माण के लिए चिन्हित किए गए स्थल का निरीक्षण करने वकीलों का एक समूह थाना परिसर पहुंचा था। जैसे ही इस बात की जानकारी वहां निवासरत पुलिस परिवारों, खासकर महिलाओं को हुई, वे बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गईं और विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते माहौल गरमा गया और विवाद बढ़ गया।

विरोध कर रही महिलाओं का कहना है कि जिस भूमि पर कोर्ट भवन बनाने की योजना बनाई जा रही है, वह वर्षों पुरानी थाना परिसर की जमीन है। उनका दावा है कि यह स्थान उनके पूर्वजों के समय से ही थाना और पुलिस कॉलोनी के रूप में उपयोग में है और वे लंबे समय से यहां अपने परिवार के साथ रह रही हैं। महिलाओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि यहां न्यायालय भवन का निर्माण किया गया तो उनके कई आवासीय क्वार्टर तोड़े जाएंगे, जिससे वे और उनके बच्चे बेघर हो जाएंगे। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा बिना उचित जानकारी और सहमति के इस तरह का निर्णय लिया जा रहा है। उनका कहना है कि धरमजयगढ़ क्षेत्र में कई अन्य शासकीय भूमि उपलब्ध हैं, जहां न्यायालय भवन का निर्माण किया जा सकता है, फिर भी जबरन थाना परिसर की जमीन को ही चुना जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है।

पुराने रिकॉर्ड का हवाला

मामले में प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 1929 से यह भूमि थाना संचालन के लिए उपयोग में है। थाना परिसर में पुलिस कार्यालय, आवासीय क्वार्टर, बैरक और अन्य सुविधाएं लंबे समय से संचालित हैं।

वर्ष 2012 में भी राजस्व अभिलेखों में इस भूमि को थाना परिसर के रूप में दर्ज किया गया है। इसी आधार पर पुलिस परिवार इस जमीन पर अपना अधिकार जता रहे हैं।??

प्रशासन के सामने चुनौती

एक ओर न्यायालय भवन के लिए उचित स्थान की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर वर्षों से निवास कर रहे पुलिस परिवारों के विस्थापन का मुद्दा प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। यदि इस विवाद का जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।??

थाना भूमि पर कोर्ट निर्माण विवाद: 2012 के दस्तावेज में थाना परिसर दर्ज

धरमजयगढ़ में न्यायालय भवन निर्माण को लेकर चल रहे विवाद के बीच वर्ष 2012 का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज सामने आया है, जिसमें संबंधित भूमि को स्पष्ट रूप से थाना परिसर की जमीन बताया गया है। तहसीलदार कार्यालय धरमजयगढ़ द्वारा जारी इस पत्र में उल्लेख है कि नगर टाउन धरमजयगढ़ स्थित जिस खसरा नंबरों की भूमि पर थाना एवं अन्य संरचनाएं स्थित हैं, उसे राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

?दस्तावेज़ के अनुसार, धर्मजयगढ़ थाना परिसर की भूमि को वर्ष 1929 में राज परिवार द्वारा थाना संचालन के लिए दिया गया था। इस परिसर में वर्तमान में पुलिस अनुविभागीय कार्यालय, थाना भवन, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बैरक और पुलिस कॉलोनी स्थित है। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्ष 2012 में इस भूमि को औपचारिक रूप से नजूल प्लॉट संख्या 1384 से 1386/1 सहित विभिन्न क्रमांकों के तहत थाना धर्मजयगढ़ के अधीन दर्ज किया गया था। फिलहाल इस मामले में न्यायलय तरफ से स्पस्टीकरण आना बाकी हैं वही उनके तरफसे जो दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे उसके बाद ही पूरा मामला की सच्चाई सामने आएगा

संपादकीय

कैंसर बेल्ट की ओर बढ़ता उत्तर भारत?

हाल के वर्षों में भारत में कैंसर का रोग जिस पैमाने पर बढ़ता देखा जा रहा है, उसने समूचे चिकित्सा जगत में चिंता पैदा कर दी है। विडंबना यह है कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तमाम प्रगति के बावजूद देश में कैंसर के मामलों में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आमतौर पर इसके उपचार पर तो ध्यान केंद्रित किया जाता है, लेकिन बचाव की दिशा में नहीं सोचा जा रहा है। नतीजतन, कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।पिछले दिनों राज्यसभा में केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मुताबिक, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मौतों में निरंतर वृद्धि हुई है। इस अवधि में इन चारों क्षेत्रों में कुल चार लाख सत्रह हजार से अधिक मरीजों के आने का अनुमान है।आंकड़ों के हिसाब से चंडीगढ़ में ही प्रतिदिन दो लोगों की मौत हो रही है। बीते पांच वर्षों में करीब दो लाख पैंतीस हजार से अधिक लोगों की मौत से स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। गौरतलब है कि हर साल कैंसर के करीब पंद्रह लाख नए मरीज सामने आते हैं। अगले बीस वर्षों में यह संख्या पच्चीस लाख पहुंचने का अंदेशा है। महज दवाओं को सस्ता करने और कैंसर अस्पताल खोल देने भर से यह समस्या दूर नहीं होगी। सच यह है कि मरीजों को इस समय सस्ता और सुलभ उपचार की जरूरत है।मगर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए कैंसर की रोकथाम पर काम करने के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना होगा। फिलहाल लक्ष्य यह होना चाहिए कि पहले चरण में ही मर्ज की पहचान कर ली जाए और जिन कारणों से मामले बढ़ रहे हैं, उनको जड़ से खत्म किया जाए।पंजाब और हरियाणा सहित सभी राज्यों में कीटनाशकों के बेलगाम इस्तेमाल पर रोक लगाना होगा, क्योंकि कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे इसे भी एक बड़ी वजह माना गया है। औद्योगिक कचरों के सख्ती से निपटान के साथ वायु और भू-जल प्रदूषण पर भी अंकुश लगाने की तत्काल जरूरत है।दुनिया भर में युद्ध सैन्य मोर्चों पर लड़े जाते रहे हैं, लेकिन उसकी आंच में आम लोग झुलसते हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद इस युद्ध का दायरा जिस स्वरूप में फैला है, उसका असर अब आशंका के अनुरूप सामने आना शुरू हो चुका है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था।

दुनिया देखेगी तीसरा विश्वयुद्ध?

अमेरिका काटने जा रहा ईरान की जीवनरेखा ?

(रेनू तिवारी)

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की 'सबसे भीषण बमबारी' की है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था। यहाँ का समुद्र इतना गहरा है कि दुनिया के सबसे बड़े तेल टैंकर यहाँ आसानी से डॉक कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप मुख्य भूमि ईरान (जो इराक से 4 गुना बड़ा है) पर हमला करने के बजाय खर्ग द्वीप पर (जमीनी सेना) उतारने का प्रलोभन महसूस कर सकते हैं। यह द्वीप मुख्य भूमि से 25-28 किमी दूर है। यदि अमेरिका इस पर अचानक कब्जा कर लेता है, तो ईरान के लिए कम समय में वहां सेना भेजना नामुमकिन होगा। खर्ग पर कब्जा करने का मतलब है ईरान की 90त्न कमाई पर ताला लगा देना। इससे ट्रंप को ईरान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने की अपार शक्ति मिलेगी।

ईरान युद्ध के दो हफ्ते बीत जाने के बाद भी, अमेरिका और इज़राइल का एक मुख्य लक्ष्य -- देश में सत्ता परिवर्तन -- अभी भी पूरा नहीं हो पाया है, जबकि युद्ध के पहले ही दिन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके थे। इसके बजाय, ईरान ने इस संघर्ष को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया है और उसने होर्मुज़ जलडमरूमध्य और वहाँ से गुज़रने वाले तेल को प्रभावी ढंग से बंधक बना लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति अच्छी तरह जानते हैं कि मुख्य ईरान, इराक या वेनेज़ुएला जैसा नहीं है, और वहाँ ज़मीन पर सेना उतारने से भारी जान-माल के नुकसान का काफ़ी जोखिम होगा -- जो उनके घरेलू दर्शकों (देश की जनता) के लिहाज़ से एक राजनीतिक रूप से जोखिम भरी रणनीति होगी। इसे सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए, ईरान इराक से चार गुना बड़ा है और वहाँ विशाल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका है।

हालाँकि, खर्ग : जो लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने कुल क्षेत्रफल से भी छोटा द्वीप है और ईरान के तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है -- ठीक वैसी ही जगह है जो किसी भी सैन्य कमांडर की नज़र में हमले के लिए सबसे उपयुक्त जगहों की सूची में सबसे ऊपर होगी।

इस द्वीप के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है; यह हमेशा गोपनीयता के आवरण में लिपटा रहता है और इसकी सुरक्षा आईआरजीसी के कमांडो करते हैं। ईरानियों के लिए, इसे 'वर्जित द्वीप' के नाम से जाना जाता है, जहाँ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही जाने की सख्त अनुमति है। लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? पाँच मील लंबा होने के बावजूद, खर्ग असल में ईरान के तेल निर्यात का नियंत्रण केंद्र है।

खर्ग द्वीप इतना महत्वपूर्ण क्यों है?: दिलचस्प बात यह है कि 1979 की क्रांति के दौरान ईरान ने अमेरिका से खर्ग द्वीप को अपने कब्ज़े में ले लिया था। आज, यहाँ से ईरान के कुल तेल निर्यात का 90त्न हिस्सा संसाधित होता है, और यहाँ सालाना लगभग 950 मिलियन बैरल तेल का प्रबंधन किया जाता है। सबसे अहम बात यह है कि खर्ग गहरे पानी के करीब है, जहाँ तेल टैंकर सुरक्षित रूप से डॉक कर सकते हैं और कच्चा तेल लोड कर सकते हैं; यह तेल ज़्यादातर भारत और चीन जैसे एशियाई बाज़ारों में जाता है।

2024 में, ईरान ने तेल की बिक्री से लगभग 78 बिलियन (7.2 लाख करोड़) कमाए। इस कमाई का ज़्यादातर हिस्सा खर्ग से बेचे गए कच्चे तेल से आया। यह पैसा न केवल सरकारी कामकाज के लिए फंड देता है, बल्कि ईरान के रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए भी बहुत ज़रूरी है–जिसमें उसके मिसाइल और ड्रोन बेड़े का विकास भी शामिल है।

इसलिए, खर्ग पर कब्ज़ा करना ईरानी शासन के लिए आर्थिक और सैन्य, दोनों ही लिहाज़ से एक जानलेवा झटका साबित होगा। इससे ट्रंप को काफी ज़्यादा मोलभाव करने की ताकत मिलेगी। आखिर, उन्होंने ईरानी तेल हासिल करने की संभावना को खुला रखा है। ठीक वैसे ही, जैसा उन्होंने वेनेज़ुएला के साथ किया था।

दरअसल, एईस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में व्हाइट हाउस में हुई एक बेहद गोपनीय बैठक में, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने खर्ग पर कब्ज़ा करने की संभावना पर चर्चा की थी।

शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप ने मीडिया को बताया कि इस तरह का ज़मीनी युद्ध होगा या नहीं, यह सवाल नहीं है; सवाल तो बस यह है कि यह कब होगा।

भू-राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ पेप ने कहा, पिछले 100 सालों में, हवाई हमलों के ज़रिए किसी शासन को उखाड़ फेंकने की कई कोशिशें हुई हैं, लेकिन इस पूरे समय में, सिर्फ़ हवाई ताकत के दम पर ऐसा कभी नहीं हो पाया है। किसी शासन को बदलने के लिए, आपको न सिर्फ़ ज़मीनी युद्ध लड़ना पड़ता है, बल्कि एक बेहद क्रूर युद्ध लड़ना पड़ता है–जिसमें दोनों तरफ़ भारी नुकसान होता है और बहुत ज़्यादा जानें जाती हैं।

खर्ग द्वीप, भले ही ईरान के तेल का मुख्य केंद्र हो, लेकिन अपनी भौगोलिक स्थिति (दूरी) की वजह से यह उसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी भी है। यह द्वीप मुख्य भूमि से लगभग 28 किलोमीटर दूर स्थित है–जो भारत और श्रीलंका के बीच की दूरी से थोड़ा ही कम है। इसलिए, अगर अमेरिका और इज़रायल की सेनाएँ अचानक ज़मीनी हमला कर दें, तो इतने कम समय में खर्ग तक अपनी सेना पहुँचाना ईरान के लिए मुमकिन नहीं होगा। लेकिन अमेरिका का ज़मीनी हमला किस तरह से आगे बढ़ेगा? एक काल्पनिक स्थिति का अंदाज़ा लगाने के लिए, हमने रक्षा विशेषज्ञ संदीप उन्नीथन से बात की है।

अमेरिका खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की कोशिश कैसे कर सकता है?: वहाँ मौजूद भारी सैन्य ताकतों को देखते हुए, खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की किसी भी कोशिश के लिए एक बहुत ही सोच-समझकर बनाई गई, कई चरणों वाली योजना की ज़रूरत होगी। ज़मीनी हमले की शुरुआत शायद हवाई क्षेत्र में अपनी पूरी पकड़ बनाने और ईरान के हवाई सुरक्षा तंत्र को पंगु बनाने से होगी–ताकि लड़ाकू विमान हमलावर सैनिकों को वहाँ उतार सकें; ठीक उसी तरह का ऑपरेशन, जैसा कि अमेरिका का दावा है कि उसने शुक्रवार को अंजाम दिया था। उन्नीथन के अनुसार, इस तरह के किसी भी ऑपरेशन में संभवतः नौसेना और वायुसेना का एक संयुक्त हमला शामिल होगा, जिसमें नेवी सील्स, डेल्टा फोर्स और आर्मी रेंजर्स जैसी स्पेशल फोर्स यूनिट्स हिस्सा लेंगी।

डिस्ट्रॉयर्स से लैस यूएस नौसेना का एक बेड़ा हवाई सुरक्षा कवर देगा, जबकि असॉल्ट जहाज़ सैनिकों को वहाँ पहुँचाएँगे। इसके अलावा, स्र वायुसेना अतिरिक्त सैनिकों को उस द्वीप तक पहुँचाएगी।

संयोग से, यूएस जापान से 2,500 मरीन सैनिकों और तीन एम्फीबियस युद्धपोतों–जिनमें यूएसएस ट्रिपोली भी शामिल है–को मध्य-पूर्व की ओर भेज रहा है; इससे यह संकेत मिलता है कि ज़मीनी हमला कभी भी शुरू हो सकता है।

अगर ऐसा होता है, तो ज़्यादातर सैन्य कार्रवाई शायद खर्ग के उत्तरी हिस्से पर केंद्रित होगी, जहाँ हवाई पट्टी और आईआरजीसी की सुविधाएँ मौजूद हैं। दक्षिणी हिस्से में, जहाँ तेल टर्मिनल और जेट्टी हैं, वहाँ शायद कम कार्रवाई होगी। खर्ग पर अमेरिका का संभावित हमला चार चरणों में हो सकता है।

4 चरणों में हमला

चरण 1: पहला कदम शायद द्वीप पर मौजूद ईरानी रडार, हवाई-रक्षा प्रणालियों और जहाज़-रोधी मिसाइल बैटरियों पर हमले करना होगा। इन्हें निष्क्रिय करने से द्वीप की ओर आ रहे विमानों और जहाज़ों के लिए जोखिम कम हो जाएगा, जिससे अमेरिकी सैनिकों के अंदर आने का रास्ता साफ़ हो जाएगा। ऐसा लगता है कि बमबारी के ज़रिए यह काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

चरण 2: एक बार जब अमेरिकी विशेष बल द्वीप पर पहुँच जाएँगे, तो उनका मुख्य उद्देश्य द्वीप की हवाई पट्टी पर कब्ज़ा करना और उसे सुरक्षित करना होगा। द्वीप के उत्तरी हिस्से में स्थित हवाई पट्टी को सुरक्षित करना चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि इसका प्रबंधन आईआरजीसी करता है।

चरण 3: रनवे पर कब्ज़ा करने के बाद, सी-130 सुपर हरक्यूलिस विमानों और चिनूक हेलीकॉप्टरों के ज़रिए सैनिकों को वहाँ लाया जा सकता है। साथ ही, पास में मौजूद अमेरिकी युद्धपोत हवाई-रक्षा कवच प्रदान कर सकते हैं। इसके बाद ये सैनिक तेज़ी से आगे बढ़कर द्वीप पर मौजूद तेल के बुनियादी ढाँचे और मुख्य जेट्टियों को सुरक्षित कर सकते हैं।

चरण 4: अंतिम चरण में, मुख्य जेट्टियों पर लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स जैसे उभयचर जहाज़ों से अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया जा सकता है। ईरानी यूएवी से बचाव के लिए ड्रोन-रोधी प्रणालियाँ तैनात की जा सकती हैं, जबकि सैनिक पूरे द्वीप पर एक सुरक्षा घेरा बना लेंगे।

साथ ही, आरआरजीसी की नौसेना इकाइयों द्वारा संभावित हमलों से बचाव के लिए तेज़ हमलावर जहाज़ आस-पास के पानी में गश्त करेंगे।

इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?: अगर इस तरह का समन्वित हमला ठीक से किया जाता है, तो यह निस्संदेह ईरान की कमर तोड़ देगा। ईरान के नौसैनिक बल पहले ही काफ़ी हद तक तबाह हो चुके हैं। इस हफ़्ते की शुरुआत में, ट्रंप ने दावा किया था कि लगभग 50 ईरानी नौसैनिक जहाज़ पहले ही नष्ट हो चुके हैं। इसलिए, खर्ग पर हमले की स्थिति में, ईरान कम समय में मुख्य भूमि से सैनिकों को दोबारा रसद नहीं पहुँचा पाएगा।

'मां उंगली पकड़कर संगीत की दहलीज पर ले गईं तो सासू मां ने आगे बढ़ना सिखाया'

(पूनम बिष्ट)

भूली-बिसरी लोक कला को जीवन दे रहीं शास्त्रीय गायिका और लोक कलाकार डॉ कुसुम भट्ट। कोई भी हुनर तभी अच्छे से निखरता है जब उसे अपने घर पर इसके लिए सकारात्मक माहौल मिलता है और जब बात एक महिला के हुनर की हो तो यह सपोर्ट एक नहीं दो-दो घरों से चाहिए होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज हम आपको ऐसी ही शख्सियत के बारे में बता रहे हैं जो रंगमंच से लेकर टीवी जगत तक में उत्तराखंड की लोक संस्कृति का एक जाना पहचाना नाम हैं। हम बात कर रहे हैं डॉ कुसुम भट्ट की।

रामलीला से शुरू हुआ सफर : उत्तराखंड में बर्फ से ढंकी वादियों से घिरे पौड़ी गढ़वाल में पली-बढ़ीं डॉ कुसुम की शिक्षा और संगीत की दीक्षा पौड़ी में रहकर ही हुई। उन्हें अपने गुरु श्री मोहन सिंह रावत पौड़ी में ही मिले। वह बताती हैं, पांच भाई-बहनों के हमारे परिवार में मैं दूसरे नंबर की बेटी हूं। मां ने गायिकी में मेरी रुचि देखी तो उन्होंने प्रोत्साहित किया और संगीत की दीक्षा दिलवाई। पिता देवेंद्र दत्त कारोबारी तो मां रोशनी देवी गृहिणी मगर उन्होंने मुझे कभी संगीत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नहीं रोका। यह इसलिए अहम है कि उस दौर में संगीत से जुड़े लोगों खासकर महिलाओं को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था। मैंने रामलीला में गायन से शुरुआत की। महज 12 साल की उम्र में 1996 में मुझे सर्वश्रेष्ठ गायिका का पुरस्कार मिला। वहीं रहकर मैंने शास्त्रीय संगीत और तबला वादन में विशारद की। आगे की राह तलाशने के लिए 21 साल की उम्र में दिल्ली आ गई। शुरुआत में कई स्कूलों में म्यूजिक टीचर के तौर पर काम किया। इस दौरान सीडी, डॉक्युमेंट्री, शो में गाना शुरू किया।

ससुराल में मिलीं नई गुरु : ऐसे ही एक दिन मुझे एक शो के दौरान परफॉर्मेंस करते हुए ग्वालियर घराने की शास्त्रीय गायिका सविता देवी मिलीं। वह आकाशवाणी की आर्टिस्ट थीं। उन्हें मेरी कला और व्यक्तित्व इतना अच्छा लगा कि उन्होंने अपने बेटे के लिए मेरा हाथ मांग लिया। इस तरह मेरे जीवन में एक और गुरु का प्रवेश हुआ। मेरी सासू मां हमेशा मुझे संगीत के रियाज के लिए प्रोत्साहित करतीं। वह चाहती थीं कि शादी के बाद जिस तरह ज्यादातर कलाकारों को अपना हुनर त्यागना पड़ता है, वैसा मेरे साथ न हो। उन्हीं के प्रोत्साहन से मैंने संगीत के क्षेत्र में काम जारी रखा। सासू मां के बाद पति पीयूष शर्मा ने हर कदम पर साथ दिया। वह खुद भी कारोबारी हैं और क्रिकेटर रहे हैं।

पहाड़ों की नाट्य शैली दिल्ली में लाई : परिवार के इसी सपोर्ट के बदौलत, घर की जिम्मेदारियां निभाते हुए मैंने शास्त्रीय संगीत से एक कदम आगे बढ़ाकर उत्तराखंड के लोक नाट्य, लोक संगीत, लुप्त हो रही परंपराओं पर शोध शुरू किया। 2019 में मैंने उत्तराखंड के होली गीतों पर अपनी पीएचडी पूरी की। उसके बाद पहाड़ों की लुप्त हो रही पांडवानी पर रिसर्च शुरू की। दिल्ली में रहकर पहाड़ों की लुप्त हो रही कलाओं पर शोध कैसे करती हैं, इस सवाल पर डॉ कुसुम बताती हैं, संपर्क खोजकर मैं उन इलाकों तक जाती हूं जहां आज भी ये विधाएं अपने मूल रूप में हैं। हाल ही में मैं केदारघाटी, ऊखीमठ इलाके में गई जहां मुखौटा शैली, पांडवानी आज भी जिंदा है। मेरी कोशिश है कि रिसर्च के साथ मैं दिल्ली के युवाओं को भी इन विधाओं से अवगत कराऊ, इसीलिए मैं युवाओं को फ्री में पांडवानी, मुखौटा, होली गीत की वर्कशॉप कराती हूं। बुराड़ी, बदरपुर में ऐसी वर्कशॉप कर चुकी हूं। दिल्ली सरकार की गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी अकादमी से मिले प्रोत्साहन की बदौलत बीते वर्ष में मैंने मोर मोर्याण, द्रौपदी को नारैण जैसे नाटक किए। द्रौपदी को नारैण पांडव शैली में लिखा गया मेरा नाटक है जिसे खूब सराहना मिली है। वहीं मोर मोर्याण मुखौटा शैली का नाट्य है। यह वही मुखौटा शैली है जिसे यूनेस्को से भी मान्यता मिली है। उत्तराखंड के वरिष्ठ रंगकर्मी डी आर पुरोहित ने इस क्षेत्र में काफी काम किया है और उन्हीं से प्रभावित होकर मैंने उत्तराखंड की मुखौटा शैली पर काम आगे बढ़ाया है।

कहीं जिम्मेदारियों के बोझ तले दम तो नहीं तोड़ रहे आपके सपने?

(सुप्रिया सत्यार्थी)

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

जिंदगी में हम हमेशा कुछ न कुछ चाहने की आदत में बंधे रहते हैं। यह चाहत ही शायद हमें इंसान बनाती है, हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कभी ये इच्छाएं छोटी होती हैं, जैसे किसी अपने की मुस्कान, किसी परीक्षा में सफलता, या एक सुकून भरी शाम और कभी बहुत बड़ी जैसे एक बेहतर भविष्य, पहचान, सम्मान और अपने सपनों की उड़ान। मगर हर इच्छा, हर ख्वाब हमें आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

जब हम अपनी आंखों में ख्वाब संजोते हैं, तो वह ख्वाब हमें इस दुनिया के हर कोने में कुछ नया खोजने की प्रेरणा देता है। इन्हीं ख्वाबों के सहारे हम अपने जीवन के भविष्य के महल मन ही मन बना लेते हैं, मानो हर मंजिल हमारी मुट्ठी में हो। उस समय हमें लगता है कि हम कुछ भी कर सकते हैं, कुछ भी पा सकते हैं, लेकिन क्या कभी हमने ठहरकर यह सोचा है कि इन ख्वाबों को पूरा करने का रास्ता उतना आसान नहीं होता, जितना हमें शुरुआत में लगता है?

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

हकीकत की ठोकरें हमें हमारे ख्वाबों की असली कीमत समझाने लगती हैं। जिन रास्तों पर हमने फूलों की कल्पना की थी, उन्हीं रास्तों पर कांटे उग आते हैं। असफलताएं हमें घेर लेती हैं और हमारी उम्मीदें धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगती हैं। ऐसा आमतौर पर होता है कि जब कोई चीज हमें आसानी से मिल जाती है, तो हम उसकी कीमत समझने की कोशिश नहीं करते। इसी तरह, अगर कोई व्यक्ति हमसे विनम्र और सद्भावपूर्ण व्यवहार करता है, हमें अपनी बात रखने या अपनी पसंद से आचरण करने की जगह मिलने पर कोई आपत्ति नहीं करता, तो हम वैसे व्यक्ति को हल्का मानकर उसकी अनदेखी करते हैं या उसे कम करके आंकते हैं।

मगर यही जब हमारे व्यक्तित्व में घुल जाता है, तब हम ऐसे व्यवहार की आदी हो जाते हैं और हमारे भीतर एक विचित्र अहं अपने पांव पसारने लगता है। हमें इसका भान तब होता है, जब हम किसी के लिए कुछ करते हैं और उसकी कद्र करते हैं और वह हमें कोई महत्त्व नहीं देता। दरअसल, बात यहां यह है कि हमें दूसरों के प्रति ही वैसा व्यवहार करना चाहिए, उसकी कद्र करनी चाहिए, जो हम अपने लिए दूसरों से अपेक्षा करते हैं। वक्त का पहिया कभी रुकता नहीं। यह बिना किसी से पूछे हमें आगे धकेलता रहता है।

इस रफ्तार में हम अक्सर अपने ख्वाबों को पीछे छोड़ देते हैं। हमें लगने लगता है कि दुनिया के साथ चलने के लिए हमें अपने सपनों से समझौता करना पड़ेगा। जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का बोझ हमारे कंधों पर इतना बढ़ जाता है कि हम खुद के लिए समय निकालना ही भूल जाते हैं। परिवार, समाज और परिस्थितियों की अपेक्षाएं हमें जकड़ लेती हैं। धीरे-धीरे हम अपने भीतर के उस इंसान से दूर हो जाते हैं, जो कभी बड़े सपने देखा करता था। वक्त की इस अंधी दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि एक समय था जब हमारे ख्वाब हमारे जीने का कारण हुआ करते थे।

फिर किसी एक शाम, जब हम अकेले होते हैं और जिंदगी की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाती है, तब अचानक हमारे भीतर कहीं कोई आवाज गूंजने लगती है। यह आवाज हमारे उन्हीं ख्वाबों की होती है, जो कभी हमारी आंखों में चमक बन कर बसे थे। जब कोई ठंडी हवा चेहरे को छूती है और हम अपनी जिंदगी के बीते वर्षों को याद करते हैं, तो दिल के किसी कोने से एक सवाल उठता है- 'क्या हुआ उन ख्वाबों का, जो कभी तुम्हारी आंखों में उम्मीदों की तरह चमकते थे?' यह सवाल हमें बेचैन कर देता है। हमें एहसास होता है कि कहीं न कहीं हमने अपने ख्वाबों को रास्ते में ही छोड़ दिया है।

जिंदगी की दौड़ में हम बहुत-सी चीजों को खो देते हैं। हम अपने शौक, अपनी मासूम इच्छाएं, और कभी-कभी अपनी पहचान भी खो बैठते हैं। दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते-करते हम खुद की अपेक्षाओं को दबा देते हैं, लेकिन यह बेहद जरूरी है कि हम खुद को पूरी तरह से बदलने न दें। कभी इतना न बदल जाएं कि हम अपने असली ख्वाबों को ही भूल जाएं, क्योंकि यही ख्वाब थे, जिन्होंने हमें एक दिशा दी थी, जिन्होंने हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी थी। अगर हम अपने ख्वाबों को मरने देंगे, तो हम धीरे-धीरे अपनी असल पहचान भी खो देंगे।

सपने हमें जीने की वजह देते हैं। वे हमें हर गिरावट के बाद उठने की ताकत प्रदान करते हैं। यह सच है कि ख्वाबों की राह आसान नहीं होती। इस राह में असफलताएं आती हैं, निराशा मिलती है, और कई बार खुद पर भी शक होने लगता है। मगर इन्हीं मुश्किलों से गुजर कर सपने साकार होते हैं। संघर्ष के बिना कोई भी सपना सच नहीं होता। जरूरी यह नहीं है कि हम हर ख्वाब पूरा कर ही लें, जरूरी यह है कि हम उन्हें जिंदा रखें।

वैश्विक सर्वेक्षणों के अनुसार यदि अक्षय ऊर्जा को नीति और निवेश के साथ जोड़ा जाए तो इससे न केवल अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि पर्यावरणीय समस्याओं से भी राहत मिलेगी।

प्रदूषण की लगातार बढ़ती समस्या और प्राकृतिक संसाधनों का सीमित होना आज दुनिया की बड़ी चुनौतियों में शामिल है। हर देश और नागरिक इस स्थिति से प्रभावित हैं। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण को कैसे रोका जाए, क्योंकि यह प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान ले रहा है।

संघर्ष से सफलता तक : अभिजीत टान्डेल का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन, क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण

सरसीवा/मूक पत्रिका

÷मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे÷ – इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश माध्यम विद्यालय, सरसीवा के प्रतिभाशाली छात्र अभिजीत टान्डेल ने जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि केवल एक छात्र की सफलता नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति की एक प्रेरणादायक कहानी है, जो यह साबित करती है कि बड़े सपनों को साकार करने के लिए मजबूत इरादों की आवश्यकता होती है।

साधारण परिवार, असाधारण उपलब्धि–अभिजीत टान्डेल एक सामान्य परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता श्याम सुंदर एवं माता देवकुमारी ने हमेशा अपने बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया और उनका हौसला बढ़ाया।

अभिजीत के पिता स्वयं शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े होने के कारण शिक्षा के महत्व को भली-भांति समझते हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव अभिजीत की पढ़ाई और सोच में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।परिवार में शिक्षा के प्रति लगाव पहले से ही स्पष्ट है। उनके बड़े भाई अनिकेत का चयन भी श्रेष्ठा स्कूल योजना में हो चुका है, जिससे यह परिवार लगातार शैक्षणिक उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

÷जहां चाह, वहां राह÷ — कठिनाइयों को दी मात–अभिजीत बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रहे हैं और निरंतर मेहनत करते रहे। इसी बीच एक हादसे में उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया, जिसने कुछ समय के लिए उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया। यह समय उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा – शारीरिक पीड़ा के साथ-साथ पढ़ाई में रुकावट भी आई।

लेकिन अभिजीत ने हार मानने के बजाय खुद को और मजबूत बनाया। उन्होंने धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखी और अंततः सफलता हासिल की।

विद्यालय और शिक्षकों का मार्गदर्शन बना मजबूत आधार–पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश माध्यम विद्यालय, सरसीवा में अभिजीत को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षकों का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्यालय के शिक्षकों ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और समय-समय पर उन्हें सही दिशा दी। शिक्षकों की मेहनत, अनुशासन और प्रेरणा ने अभिजीत के आत्मविश्वास को बढ़ाया और उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यालय के प्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि—यह सफलता छात्र की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने अभिजीत को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा विद्यालय के सभी शिक्षकों को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर–अभिजीत के चयन की खबर जैसे ही गांव में पहुंची, खुशी का माहौल बन गया। परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी व्यक्त की। गांव के लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र की उपलब्धि बताते हुए कहा कि अभिजीत ने यह साबित कर दिया है कि विद्यार्थी मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र तिवारी को मिलेगा मानद डॉक्टरेट अवार्ड, भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्थान द्वारा घोषणा

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

दिल्ली के एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा जिले के प्रमुख व्यक्तित्व वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र तिवारी को उनके विशिष्ट योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट अवार्ड से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।

यह सम्मान उन्हें गैर-अकादमिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य और समाज के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाएगा। यह अवार्ड भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप शिक्षा फाउंडेशन के माध्यम से दिया जाएगा। बताते चलें कि उपेंद्र तिवारी पिछले लगभग 40 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने लेखन और पत्रकारिता के माध्यम से समाज क ल्या ण ा, जनजागरूकता और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। उनके इसी दीर्घकालीन योगदान को देखते हुए उन्हें मानद डॉक्टरेट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान न केवल एक व्यक्तित्वों के व्यक्तिगत कार्यों की सराहना है, बल्कि जांजगीरङ्कचाम्पा जिले के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा।

सभी बिल को कोषालय में जमा करने की अंतिम तिथि 25 मार्च

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग से जारी निर्देश के पालन में जिला कोषालय अधिकारी उत्तम तुरकाने ने जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी को पत्र जारी किया है और समय सीमा की बैठक में कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के समस्त देयको को जिला कोषालय में अंतिम तिथि 25 मार्च तक ऑनलाइन जमा करें।

दसवीं, बारहवीं और आईटीआई उत्तीर्ण युवक युवती के लिए रोजगारोन्मुखी निशुल्क कोर्स

प्रशिक्षण अवधि में आवास, भोजन एवं आवश्यक सुविधाए निशुल्क, प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अंतिम तिथि 30 मार्च

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित अलाइन पाठ्यक्रमों और लॉन्ड्री ऑपरेशंस स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का आवासीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 अप्रैल से प्रारम्भ होगा। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी होगा। प्रशिक्षण अवधि में आवास, भोजन एवं आवश्यक सुविधाए प्रशिक्षण संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अंतिम तिथि 30 मार्च तक इच्छुक दसवीं बारहवीं आईटीआई उत्तीर्ण युवक युवती कलेक्ट्रेट सारंगढ़ में नोडल अधिकारी पुरुषोत्तम स्वर्णकार 7828367272 और वरिष्ठ लिपिक लीलाधर अजगले से सम्पर्क कर सकते हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) अंतर्गत श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट और द लॉन्ड्री बैग के द्वारा केवल आवासीय एवं ओजीटी आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन, प्रमाणीकरण एवं यथासंभव प्लेसमेंट मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। यह राज्य के युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के साथ दोनो संस्था श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट और द लॉन्ड्री बैग द्वारा संपादित एमओयू के आधार पर किया जा रहा है।

सरकारी स्कूल के बच्चों ने किया कमाल, नवोदय में चयन से बढ़ा मान!

मृत्युंजय और खिलेश ने किया कमाल, धौराभाठा स्कूल बना पूरे क्षेत्र की प्रेरणा!

भिनोदा और गगोरी के बच्चों ने बढ़ाया गौरव, नवोदय में चयन से जश्न का माहौल!

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जहां एक ओर अक्सर शासकीय विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए जाते हैं, वहीं शासकीय प्राथमिक शाला धौराभाठा के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और शिक्षकों के समर्पण से एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने पूरे क्षेत्र का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। ग्राम पंचायत भिनोदा और गगोरी के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन होने से पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है। भिनोदा निवासी मृत्युंजय लहरे एवं गगोरी निवासी खिलेश कुमार मनहर ने अपनी लगन, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के दम पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि दोनों ही छात्र अपने-अपने गांव के पहले ऐसे बच्चे हैं, जिन्होंने नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाकर इतिहास रच दिया है। उनके इस चयन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव, विद्यालय और क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया है। इस सफलता के पीछे विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत, मार्गदर्शन और बच्चों के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से झलकता है। सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षकों ने जिस तरह से बच्चों को तैयार किया, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि निष्ठा और लगन के साथ कार्य किया जाए, तो सरकारी स्कूल भी उत्कृष्ट परिणाम दे सकते हैं और बड़े-बड़े निजी विद्यालयों को चुनौती दे सकते हैं। मृत्युंजय और खिलेश की इस उपलब्धि ने क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों में भी नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। अब गांव के बच्चे भी बड़े सपने देखने लगे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा विद्यालय परिवार और शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। निस्संदेह, यह उपलब्धि केवल दो विद्यार्थियों की सफलता नहीं है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। धौराभाठा विद्यालय ने यह सिद्ध कर दिया है कि सच्ची मेहनत, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। यह सफलता आने वाले समय में क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करेगी।

डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने साझा किया निखिल सिद्धार्थ स्टारर फिल्म 'स्वयंभू' के पीछे का खास विजन और मकसद।

जित मुम्बई/मूक पत्रिका

जब से 'स्वयंभू' का टीज़र रिलीज हुआ है, यह 'कार्तिकेय 2' फेम निखिल सिद्धार्थ की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। टीज़र में दिखाई गई भव्यता और दमदार कहानी की हर तरफतारीफहो रही है। रौंगटे खड़े कर देने वाले बैकग्राउंड म्यूजिक (ब्ळ्रू), जबरदस्त एक्शन और शानदार विजुअल्स की वजह से इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है और अब तक इसके 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज हो चुके हैं। टीज़र ने कहानी की एक छोटी सी झलक तो दिखाई ही है, लेकिन साथ ही डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने खुलासा किया कि इस फिल्म के जरिए उनका मकसद भारत के उस 'स्वर्ण युग' (गोल्डन ऐरा) को दिखाना है, जब हमारा देश दुनिया की एक बड़ी महाशक्ति था। भरत कृष्णमाचारी ने कहा , ÷इस फिल्म के जरिए हमारी कोशिश भारत के उस सुनहरे दौर पर रोशनी डालने की है, जब हम एक बड़ी नौसैनिक शक्ति थे और हमारा साम्राज्य न केवल दक्षिण भारत, बल्कि पूरे देश में बेहद समृद्ध था। चीन जैसे पूर्वी देशों और रोम व ग्रीस जैसे पश्चिमी देशों के साथ हमारा व्यापार बहुत फैला हुआ था और हमने दक्षिण-पूर्वी एशिया तक अपनी जीत दर्ज की थी। उस समय भारत आर्थिक और तकनीकी रूप से इतना आगे था कि जैसे आज आजादी के बाद भारतीय अमेरिका जाना चाहते हैं, उस समय पूरी दुनिया भारत आना चाहती थी। इसकी वजह यह थी कि तब हम एक महाशक्ति थे। यह फिल्म उसी 'सुपरपावर युग' की शुरुआत के बारे में बात करती है।÷होली के शुभ अवसर पर, फिल्म की टीम ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसमें निखिल सिद्धार्थ एक बेहद शानदार और नए अवतार में नजर आ रहे हैं।

आठवीं की वार्षिक परीक्षा शुरू,सिंघौरी स्कूल में शत प्रतिशत रही उपस्थित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले के सभी शासकीय स्कूलों में कक्षा आठवीं की वार्षिक परीक्षा मंगलवार से आरंभ हुई। बेमेतरा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में केंद्रीयकृत वार्षिक परीक्षा के तहत पहले दिन गणित विषय का पेपर हुआ। कक्षा आठवीं में दर्ज कुल 47 विद्यार्थियों में से 47 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा का संचालन दो कक्षों में शांतिपूर्ण ढंग से किया गया। केंद्रीयकृत परीक्षा के लिए प्रधान पाठक धनीराम साहू को पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी का केंद्राध्यक्ष बनाया गया है। गणित विषय की परीक्षा के दौरान शिक्षक प्रशांत बघेल और किरण खरे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। इस दौरान संकुल प्राचार्य संजय प्यासी एंव धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। संस्था के शिक्षक नुतेश्वर चंद्राकर को सहायक केंद्राध्यक्ष बनाया गया है।

गंगालूर छात्रावास मामले में कांग्रेस जांच दल का आरोप, दोषियों पर अब तक कार्रवाई नहीं

जांच दल की प्रमुख मांगें

पिछले 6 महीनों में छात्रावास के सभी बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की रिपोर्ट की जांच की जाए।

पिछले 6 महीनों के उपस्थिति रजिस्टर की जांच कराई जाए।

पिछले 6 महीनों में छात्रवृत्ति वितरण की स्थिति की जांच की जाए।

छात्रावास के विजिटर रजिस्टर की जांच कर यह पता लगाया जाए कि पिछले छह महीनों में कौन-कौन मिलने आया था।

आदिवासी बेटियां असुरक्षित, जिला शिक्षा अधिकारी पर जिम्मेदारी से बचने का आरोप

बीजापुर/मूक पत्रिका

गंगालूर स्थित सरकारी पोटाकेबिन कन्या छात्रावास से जुड़े मामले की जांच के लिए गठित कांग्रेस के नौ सदस्यीय जांच दल ने छात्रावास का दौरा कर स्थानीय ग्रामीणों, पीड़ित छात्राओं के परिजनों, अधीक्षिका और स्कूल स्टाफ से जानकारी ली। जांच के बाद दल ने आरोप लगाया कि नाबालिग छात्राओं से जुड़े गंभीर मामले में अब तक किसी आरोपी पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गठित इस जांच दल ने 18 मार्च को गंगालूर पहुंचकर छात्रावास और स्कूल की व्यवस्था का निरीक्षण किया। जांच के दौरान दल ने पाया कि संबंधित छात्राएं सरकारी स्कूल में नियमित पढ़ाई कर रही थीं, छात्रावास में रह रही थीं और माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं में भी नियमित छात्र के रूप में शामिल हुई थीं। जांच दल ने छात्रावास की उपस्थिति पंजी का भी निरीक्षण किया। दल के अनुसार रजिस्टर में सफेदा लगाकर उपस्थिति को अनुपस्थित दर्शाने की बात सामने आई। यह भी पाया गया कि वर्तमान अधीक्षिका पोटा केबिन आश्रम के साथ प्री-मैट्रिक छात्रावास की भी जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

दल को यह जानकारी भी दी गई कि छात्राओं को नियमित रूप से छात्रवृत्ति मिलती रही है। हालांकि जब छात्राएं स्कूल नहीं आ रही थीं, तब किसी ने उनके अनुपस्थित रहने के कारणों का पता लगाने की कोशिश नहीं की। जांच दल ने कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, डीएमसी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया के 15 मार्च के उस बयान पर भी आपत्ति जताई गई, जिसमें उन्होंने मीडिया रिपोर्ट को भ्रामक बताया था और कहा था कि छात्राएं छात्रावास में अध्ययनरत नहीं हैं। जांच दल ने इसे जिम्मेदारी से बचने का प्रयास बताया। कांग्रेस जांच दल ने आरोप लगाया कि नाबालिग छात्राओं से जुड़े अनैतिक कृत्य के बावजूद अब तक किसी आरोपी पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। दल का कहना है कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद आदिवासी बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्थिति चिंताजनक है और स्कूलों व छात्रावासों में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। जांच के दौरान छात्रावास में निगरानी की कमी, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण न होने और बाहरी लोगों की आवाजाही को लेकर भी चिंता जताई गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई और दोषियों पर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी जनसहयोग से आंदोलन करेगी। जांच दल का नेतृत्व सुकमा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंगमा ने किया। दल में पीसीसी महामंत्री श्रीमती नीना रावतीय उद्दे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुलोचना कर्मा, श्रीमती गीता कवासी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बबिता मंडावी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पार्वती कश्यप, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री अनिता तेलम, नगर पंचायत भोपालपटनम की अध्यक्ष श्रीमती रिंकी कोरम और गंगालूर की सरपंच श्रीमती पायल हेमला शामिल थीं। दल ने बताया कि इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज को सौंपी जाएगी। दौरे के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर सहित कांग्रेस और महिला कांग्रेस के कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

निर्माण कार्यों में तेजी लाने और समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के सख्त निर्देश

निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,जिला अस्पताल और नालंदा परिसर का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया निरीक्षण

कलेक्टर की चेतावनी, निर्माण कार्यों में अधिकारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नालंदा परिसर निर्माण को दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ में चल रहे जिला मुख्यालय स्तरीय विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। वहीं निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी। कलेक्टर ने निर्माणाधीन नवीन कलेक्ट्रेट कॉम्प्लेक्स भवन का निरीक्षण करते हुए भवन के सामने बने पब्लिक टॉयलेट को हटाकर बाहर जनरल टॉयलेट निर्माण कराने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के समीप बन रहे जिला पंचायत कार्यालय भवन, एसडीएम एवं तहसीलदार कार्यालय के नए भवन निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए मजदूरों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। खेलभाठा मैदान के सामने स्थित जर्जर ट्राइबल हॉस्टल के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने इसे विभिन्न विभागों के उपयोग हेतु तैयार करने को कहा। उन्होंने मई माह तक कार्य पूर्ण करने और प्लास्टर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में खेलभाठा मैदान में बन रहे स्टेज निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने स्टेज के सामने रेलिंग लगाने तथा 20 दिनों के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। चंदई क्षेत्र में निर्माणाधीन नवीन जिला अस्पताल का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने बताया कि अब तक लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा अस्पताल के सामने किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश एसडीएम को दिए। अस्पताल के समीप जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के नए भवन का निरीक्षण करते हुए 30 मई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। टीसीपीसी रानीसागर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने परिसर के सामने गार्डन विकसित करने तथा दिसंबर माह तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

न्यूज ट्रैक

सैमसंग ने लॉन्च किया गैलेक्सी M17e 5G, भारत की युवा और हमेशा एक्टिव रहने वाली पीढ़ी के लिए स्मार्टफोन के अनुभव को दिया नया रूप

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज गैलेक्सी M17e 5G, को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह स्मार्टफोन 20 मार्च से Samsung.com, अमेज़न और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा, जिसकी शुरुआती कीमत 13,999 रुपये रखी गई है। गैलेक्सी M सीरीज़ सैमसंग के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है, और गैलेक्सी M17e 5G, इसी विरासत को आगे बढ़ाता है। युवा भारतीय उपभोक्ताओं की लगातार बदलती (डायनामिक) जरूरतों को पूरा करने के लिए, यह स्मार्टफोन प्रमुख फीचर्स— एक स्मूथ डिस्प्ले, लंबी चलने वाली बैटरी, दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरे और स्मार्ट सॉफ्टवेयर— में भरोसेमंद परफॉर्मेंस और रोजमर्रा के इस्तेमाल की शानदार सुविधा देता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के डायरेक्टर, अक्षय एस राव ने कहा, गैलेक्सी M17e 5G, ऐसे इनोवेशन और अनुभव देता है जो जेन जी के लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। मूल्य (वैल्यू) को महत्व देने वाले ये युवा यूजर्स ऐसे डिवाइस चाहते हैं जिनमें लंबी बैटरी लाइफ़, स्मूथ ऐप परफॉर्मेंस, हाई-क्वालिटी फोटोग्राफी और प्रोडक्टिविटी (उत्पादकता) बढ़ाने वाले स्मार्ट फीचर्स हों। हाई-रिफ्रेश-रेट डिस्प्ले, बड़ी बैटरी, पावर-एफिशिएंट 5G प्रोसेसर, 50MP कैमरा सिस्टम, इंटीग्रेटेड एआई टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट के साथ, गैलेक्सी M17e 5G, एक ऐसा भरोसेमंद स्मार्टफोन अनुभव सुनिश्चित करता है जिसकी इस पीढ़ी को तलाश है।

पोको ने लॉन्च की पोको एक्स8 प्रो सीरीज़, अगली पीढ़ी के प्रदर्शन (नेक्स्ट-जेन परफॉर्मेंस) को पहुँचाया नई ऊंचाई पर

नईदिल्ली। भारत के प्रमुख कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने आज अपनी पोकोएक्स 8 Pro सीरीज़ लॉन्च कर दी है। इस सीरीज़ में पोकोएक्स 8 प्रो मैक्स, पोकोएक्स 8 प्रो और एक खास स्पेशल एडिशन पोकोएक्स 8 प्रो — आयरन मैन एडिशन शामिल हैं। एक्स सीरीज़ को एक कदम और आगे ले जाते हुए, इस नई श्रृंखला (लाइनअप) में फ्लैगशिप-लेवल का परफॉर्मेंस, लंबी चलने वाली बैटरी, शानदार मनोरंजन (एंटरटेनमेंट) और प्रीमियम डिज़ाइन का बेहतरीन तालमेल दिया गया है। यह उन यूज़र्स के लिए एक बजोड़ (परफेक्ट) और शानदार अनुभव है, जिनका पूरा ध्?यान प्रदर्शन पर होता है। इस सीरीज़ को अगली पीढ़ी की (नेक्स्ट-जेनरेशन) चिपसेट की ताकत मिली है, जिसे असल ज़िंदगी के इस्तेमाल में तेज़ स्पीड और बेहतरीन एफिशिएंसी (दक्षता) देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पोकोएक्स 8 प्रो मैक्स भारत का पहला ऐसा स्मार्टफोन है जिसमें डाइमेंसिटी 9500S चिपसेट दिया गया है। भारी इस्तेमाल के दौरान भी प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) को लगातार दमदार बनाए रखने के लिए, इस सीरीज़ में उन्नत (एडवांस) कूलिंग सिस्टम दिया गया है।

ओबेन इलेक्ट्रिक के ग्राहकों ने 3.2 करोड़ किलोमीटर का सफर तय किया, रोजाना के सफर का मुख्य वाहन बनी Oben

बैंगलोर। भारत की तेजी से आगे बढ़ रही रिसर्च-ड्रिवन इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक (Oben Electric) ने जानकारी दी कि कंपनी की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल चलाने वाले राइडर्स ने देशभर में मिलकर 3.2 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर ली है। कंपनी के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के सिर्फ दो साल के भीतर यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि लोग अब ओबेन की मोटरसाइकिलों को रोजाना के सफ़र के लिए अपने मुख्य वाहन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2024 की शुरुआत से अलग-अलग शहरों के डेटा को मिलाकर देखा गया तो पता चला कि कंपनी की Oben Rorr portfoद्यद्बश्र जिसमें Rorr, Rorr EZ और Rorr EZ Sigma शामिल हैं जिसका इस्तेमाल अलग-अलग ट्रैफ़िक, सड़क और मौसम की परिस्थितियों में लगातार किया जा रहा है।

होर्मुज क्रॉस कर 'जग लाडकी' पहुंचेगा भारत

तेहरान। वेस्ट एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय ध्वज वाले जहाज 'जग लाडकी' ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तेल टर्मिनल पर हुए हमले के बाद सुरक्षित रूप से रवाना होकर भारत की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, जब भारतीय जहाज जग लाडकी फुजैरा सिंगल प्वाइंट मूरिंग पर कच्चा तेल लोड कर रहा था, उसी दौरान फुजैरा ऑयल टर्मिनल पर हमला हुआ। इसके बावजूद जहाज और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित रहे। इस पर करीब 80,800 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा हुआ है और जहाज सुबह लगभग 10:30 बजे फुजैरा से सुरक्षित रूप से रवाना हो गया और होर्मुज क्रॉस कर भारत की ओर बढ़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति स्थिर, सरकार ने दोहराया- ईंधन की कमी नहीं

गैस संकट पर राहत: एलपीजी बुकिंग घटकर 77 लाख पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में कुकिंग गैस सिलिंडर को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी अफरा-तफरी के बीच एक अच्छी खबर सामने आई है। एलपीजी सिलिंडर बुकिंग 88.8 लाख से घटकर 77 लाख रह गई है, जो स्थिति में सुधार का संकेत है। सरकार ने दोहराया कि देशभर में पेट्रोल, डीजल या खाना पकाने की गैस की कोई कमी नहीं है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। सरकार ने लोगों को सलाह भी दी कि वे घबराहट में खरीदारी ना करें।

पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रमों के प्रभाव पर दैनिक अपडेट में सरकार ने कहा कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग लगभग 87 फीसदी हो गई है। यह तेल कंपनियों के उस अभियान का असर है, जिसमें डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा दिया गया और लोगों को घबराहट में एलपीजी डीलरों के बाहर लंबी कतारों में लगने से रोका गया। सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा, हमारे सभी तेल शोधन कारखाने पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार बनाए हुए हैं। हमारा देश पेट्रोल और डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है। घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात की आवश्यकता नहीं है। तेल विपणन कंपनियों की ओर से खुदरा दुकानों पर ईंधन की कमी का कोई मामला सामने नहीं आया है। पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है।

सरकार ने कहा, एलपीजी की बुकिंग में गिरावट देखी गई है। 15 मार्च को लगभग 77 लाख बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि एक दिन पहले यह 88.8 लाख दर्ज की गई थी। ऑनलाइन एलपीजी सिलिंडर बुकिंग में 87% की है। सरकार ने कहा, बिहार, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप गैर-घरेलू एलपीजी के आवंटन के आदेश जारी किए हैं। वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडरों को प्राथमिकता के आधार पर वितरण के लिए राज्य सरकारों के पास रखा गया है। अब ये 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध हैं।

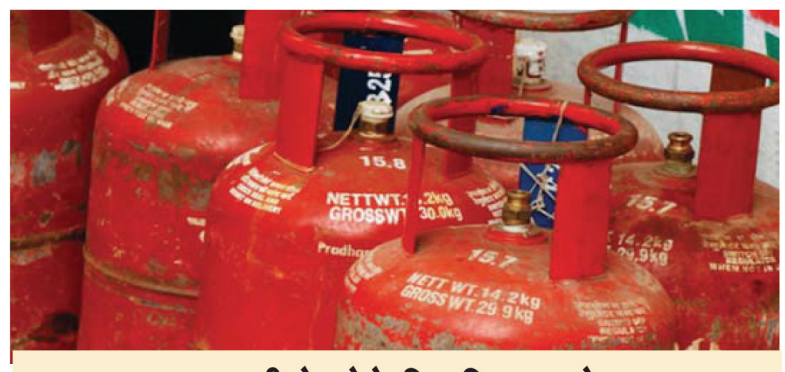

कालाबाजारी रोकने के लिए किए जा रहे उपाय

सरकार ने यह भी बताया कि राज्य सरकारें पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए प्रवर्तन उपाय कर रही हैं। एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए आंध्र प्रदेश और बिहार सहित कई राज्यों में छापेमारी की जा रही है। 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम करने के लिए आतिथ्य और रेस्तरां सहित कुछ क्षेत्रों में केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग करने की अनुमति दे दी गई है।

मुआवजे का एलान

ओडिशा में नॉरवेस्टर तूफान ने मचाई तबाही, 2 लोगों की मौत

भुवनेश्वर, एजेंसी

मयूरभंज जिले के करंजिया इलाके में नॉरवेस्टर (कालबैशाखी) तूफान ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं से बड़े-बड़े पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए तथा कई घर क्षतिग्रस्त हो गए।तूफान का असर इतना तेज था कि एक ऑटो-रिक्शा हवा में उछलकर पास के तालाब में जा गिरा। रिपोर्ट के अनुसार, इस आंधी में 70 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है।इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ओडिशा सरकार ने हुई घटना में जान गंवाने वाले दो लोगों के परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की।मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

यह मुआवजा राज्य सरकार की राहत योजना के तहत स्वीकृत किया गया है, क्योंकि खराब मौसम और तेज आंधी-तूफान से इलाके में भारी नुकसान हुआ।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मयूरभंज जिले में तेज हवा और खराब मौसम के दौरान यह हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद राज्य सरकार ने तुरंत राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर हेमाकांत से ने बताया कि मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये की सहायता जल्द से जल्द दी जाएगी। प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि मुआवजे की राशि शीघ्र प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जाए।मुख्यमंत्री ने घायलों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है। स्थानीय अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने को कहा गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार, नैनीताल निवासी समेत चार युवकों की मौत

मुरादाबाद, एजेंसी

लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। उनकी पहचान नैनीताल जिले के निवासी के तौर पर हुई है।

सोमवार सुबह मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पासतेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित कर दिया। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि हादसे मे दयाल रावत निवासी वीमिला कंपाउंड पालीवाल नैनीताल, अनिल नेगी (38), सुंदर सैनी (42), भुवन भंडारी(37)हल्द्वानी की जान चली गई।चालक यशदीप पांडे निवासी हल्द्वानी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक भाग निकला।

पश्चिम एशिया के लिए 48 उड़ानें आज से शुरू यात्रियों को मिलेगी रिफंड-रीबुकिंग की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने घोषणा की है कि आज से दोनों एयरलाइन्स मिलकर पश्चिम एशिया के लिए कुल 48 शेड्यूल और नॉन-शेड्यूल उड़ानें संचालित करेंगी। एयरलाइन के प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन उड़ानों में जेद्दा और मस्कट के लिए शेड्यूल सेवाएं शामिल हैं।

भारत और जेद्दा के बीच कुल 10 उड़ानें संचालित होंगी। एअर इंडिया दिल्ली और मुंबई से एक-एक रिटर्न सेवा संचालित करेगी, जबकि एअर इंडिया एक्सप्रेस बंगलूरू, कोझिकोड और मंगलोर से एक-एक उड़ान संचालित करेगी।

नॉन-शेड्यूल उड़ानें- शेड्यूल उड़ानों के अलावा, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त रूप से 26 नॉन-शेड्यूल उड़ानें यूएई और सऊदी अरब के लिए संचालित करेंगी। इन उड़ानों का संचालन उपलब्ध स्लॉट और प्रस्थान स्टेशनों की परिस्थितियों के अनुसार किया जाएगा। ये सभी उड़ानें भारतीय और स्थानीय नियामक प्राधिकरणों से अनुमतियों के साथ संचालित की जा रही हैं।

अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानें- उत्तर अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्षेत्रों के लिए एअर इंडिया की सभी उड़ानें अपनी निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित होंगी।

रीकॉर्बुकिंग और रिफंड की सुविधा- वह यात्री जिनकी यात्रा की शेड्यूल सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित हैं, वेः बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भविष्य की तारीख पर अपनी उड़ान रीकॉर्बुक कर सकते हैं।

मस्कट के लिए शेड्यूल उड़ानें

एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए कुल 12 शेड्यूल उड़ानें संचालित करेगी। इनमें दिल्ली, कन्नूर, मुंबई और तिरुवनंतपुरम से एक-एक उड़ान शामिल है, जबकि कोच्चि से दो उड़ानें संचालित की जाएंगी। ये उड़ानें नियमित समय-सारणी के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध होंगी।

मेट्रो एंकर

तेल के खेल में हुआ अरबों डॉलर का मुनाफा

पश्चिमी एशिया की जंग रूस के लिए बनी 'आपदा में अवसर'

मास्को, एजेंसी

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस युद्ध की वजह से वैश्विक बाजार में ऊर्जा संकट बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ईरान की मजबूत पकड़ ने तेल आयात करने वाले सभी देशों को वैकल्पिक सप्लाई रास्तों की तलाश में भाग-दौड़ करने पर मजबूर कर दिया है। लेकन इन सभी बातों के बीच रूस पैसा कमा रहा है।

दुनियाभर में तेल बेच रहा रूस

मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध से जहां दुनिया के सभी देश परेशान हैं, वहां रूस के लिए यह युद्ध आपदा में अवसर की तरह है। द फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण रूस को काफी फायदा हुआ है। 2022 में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से रूस, अमेरिकी प्रतिबंधों की मार झेल रहा था। रिपोर्ट में बताया गया है कि जैसे-जैसे ईरान-इजरायल युद्ध आगे बढ़ रहा है, रूस तेल की बिक्री से हर दिन 150 मिलियन डॉलर तक का अतिरिक्त बजटीय राजस्व कमा रहा है।रूस का यूराल क्रूड, जो करीब दो महीने पहले तक 52 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा था, अब 70-80 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है।

1.9 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त राजस्व कमाया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध के पहले 12 दिनों में रूस के तेल निर्यात का अनुमान लगाया जाए तो इस देश तो 1.3 बिलियन डॉलर से 1.9 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त कर राजस्व कमाया है। ईरान अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रहत है और ऑयल सप्लाई के लिए इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं देता है, तो इस महीने के अंत तक रूस 3.3 बिलियन डॉलर से 5 बिलियन डॉलर तक अतिरिक्त राजस्व कमा सकता है।

यूक्रेन ने किया अमेरिका का विरोध

अमेरिका ने ईरान युद्ध के बीच रूसी तेल प्रतिबंधों पर 30 दिनों की छूट का एलान किया। अमेरिका के इस फैसले का यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने विरोध किया, लेकिन इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल पर दिए छूट के फैसले को बरकरार रखा है।

आईडीएफसी बैंक घोटाला

सोडा वॉटर की दुकान चलाने वाला बना करोड़पति, जांच में बड़ा खुलासा

चंडीगढ़, एजेंसी

आईडीएफसी बैंक से जुड़े करोड़ों रुपये के निवेश और घोटाले की जांच में गिरफ्तार आरोपी विक्रम वधावा को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि कभी सोडा वॉटर की छोटी दुकान चलाने वाला विक्रम वधावा आज ट्राइसिटी में करोड़ों रुपये की संपत्तियों का मालिक बन चुका है।

जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी के पास चंडीगढ़ के सेक्टर-33 और सेक्टर-36 में करोड़ों रुपये की कोठियां हैं। इसके अलावा मोहाली के खरड़ क्षेत्र में उसने प्रिज्मा रेजीडेंसी एलएलपी के नाम से एक हाउसिंग सोसाइटी भी विकसित की है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी मुलाकात सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी बैंक में रिभव ऋषि से हुई थी। बैंक में आने-जाने के दौरान दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और बाद में यह दोस्ती में बदल गई। इसके बाद रिभव ने विक्रम वधावा को रियल एस्टेट समेत अन्य प्रोजेक्ट्स में निवेश के लिए रकम देनी शुरू कर दी।

क्रिकेटर कुलदीप यादव का लखनऊ में रिसेप्शन जडेजा-यशस्वी, धवन पहुंचे

- जय शाह, कोहली-धोनी समेत 900 मेहमानों होंगे शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव का मंगलवार को लखनऊ में रिसेप्शन हुआ। इसमें आईसीसी चेयरमैन जय शाह, टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, शिखर धवन, रवींद्र जडेजा समेत 900 से ज्यादा मेहमानों के शामिल होंगे। वीवीआईपी मेहमानों के लिए 4 चार्टर्ड प्लेन का इंतजाम किया गया है। राजनीति, उद्योग और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी रिसेप्शन में शामिल हो सकती हैं। परिवार के करीबियों ने बताया कि रिसेप्शन में कुलदीप की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी, बीसीसीआई और आईसीसी से जुड़े अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन, क्रिकेटर रविंद्र जेडजा और यशस्वी जायसवाल लखनऊ आ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई वीवीआईपी मेहमानों को निमंत्रण दिया गया है। कुलदीप ने 14 मार्च को बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी की थी। उत्तराखंड के मसूरी में परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में शादी हुई थी।

केकेआर के हर्षित राणा आईपीएल 2026 से बाहर

- पथिराना भी चोटिल, टीम दोनों का रिप्लेसमेंट नहीं लेगी; रहमान की जगह मुजरबानी को चुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। वे एक दिन पहले 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड में छड़ी के सहारे चलते नजर आए थे। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने लिखा कि हर्षित इस सीजन में नहीं खेलेंगे। उनके अलावा, श्रीलंका के मथीश पथिराना भी चोटिल हैं। दोनों गेंदबाज टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान अपनी-अपनी टीम से खेलते हुए चोटिल हुए थे। केकेआर ने दोनों गेंदबाजों के रिप्लेसमेंट नहीं लेने का फैसला किया है। मैनेजमेंट का मानना है कि टीम के पास पहले से पर्याप्त तेज गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं। इसमें वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कार्तिक त्यागी और आकाश दीप शामिल हैं।

प्रैक्टिस मैच में चोट लगी

हर्षित राणा घुटने की चोट के कारण भारत की टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उन्हें पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा। राणा ने आईपीएल 2024 में 19 और 2025 में 15 विकेट लिए थे। केकेआर को पथिराना के फिट होने की उम्मीद श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि केकेआर उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे आईपीएल के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। केकेआर ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने केकेआर जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है।

16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

करोड़ों में बिके हैं ये स्टार

आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर रहेगी सबकी नजर

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है और इस बार कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। ऑक्शन में कुछ खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने करोड़ों की बोली लगाई है, जिससे उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कैमरून ग्रीन

- **केकेआर का महंगा दांव-** कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरून ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदकर बड़ा निवेश किया है। वह एक बेहतरीन टॉप ऑर्डर बल्लेबाज हैं, जो जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। केकेआर उन्हें एक मैच विनर के तौर पर देख रही है, जो अकेले दम पर गेम बदल सकते हैं।

पथिराना

- **केकेआर का डेथ ओवर स्पेशलिस्ट-** मथेशा पथिराना को केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में खरीदा, जो उनकी गेंदबाजी क्षमता को दर्शाता है। वह खासकर डेथ ओवर्स में अपनी यॉर्कर और अनोखे एक्शन के लिए जाने जाते हैं। उनका प्रदर्शन केकेआर की गेंदबाजी को मजबूत बनाएगा।

प्रशांत वीर सीएसके

- **उभरता ऑलराउंडर-** चेन्नई सुपर किंग्स ने प्रशांत वीर को 14.20 करोड़ रुपये में खरीदकर सबको चौंका दिया। कम बेस प्राइस के बावजूद इतनी बड़ी रकम मिलने से उनकी प्रतिभा साफ झलकती है। वह एक ऑलराउंडर के रूप में टीम को बैलेंस देते हैं और सीएसके उन्हें भविष्य के स्टार के रूप में देख रही है।

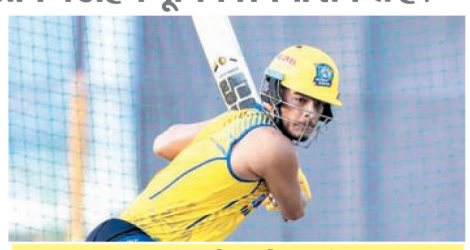

आकिब नबी

दिल्ली कैपिटल्स की नई उम्मीद- दिल्ली कैपिटल्स ने आकिब नबी पर 8.40 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वह एक ऑलराउंडर हैं, जो गेंद और बल्ले दोनों से प्रभाव डाल सकते हैं। नबी की खासियत उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी है। डीसी को उनसे मिडिल ओवर्स में गेम बदलने की उम्मीद होगी।

जेसन होल्डर

जीटी का अनुभवी हथियार- गुजरात टाइटंस ने जेसन होल्डर को 7 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वह एक अनुभवी ऑलराउंडर हैं, जिनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

का बड़ा अनुभव है। उनकी गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

कूपर कॉनोली -पीबीकेएस का युवा दांव

पंजाब किंग्स ने कूपर कॉनोली को 3 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह एक युवा ऑलराउंडर हैं, जिनमें भविष्य का बड़ा खिलाड़ी बनने की क्षमता है। कॉनोली अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी स्पिन गेंदबाजी से टीम को मजबूती दे सकते हैं। पीबीकेएस उन्हें एक लंबे समय के निवेश के रूप में देख रही है।

ईशान कर सकते हैं SRH की कप्तानी

- कमिंस बैक इंजरी के कारण शुरुआती मैचों से बाहर; झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाई

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल 2026 की शुरुआत में टीम की कप्तानी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कमिंस अभी बैक इंजरी से उबर रहे हैं और यह साफ नहीं है कि वे कब टीम से जुड़ेंगे। कमिंस को यह चोट 2025-26 एशेज सीरीज से पहले लगी थी। शुरुआत में माना जा रहा था कि वे पूरी सीरीज मिस करेंगे,लेकिन उन्होंने एक टेस्ट खेला और फिर दोबारा टीम से बाहर हो गए।हालांकि, ईशान को शुरुआती मैचों की कप्तानी सौंपे जाने को लेकर फ्रेंचाइजी की ओर से अभी कुछ नहीं कहा गया है।

- **ईशान किशन के पक्ष में गया कप्तानी का अनुभव-** ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया है। कप्तानी के साथ-साथ ईशान बल्ले से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने उस टूर्नामेंट में 197.33 की स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 517 रन बनाए थे। इसी अनुभव के दम पर वे कप्तानी की रेस में अभिषेक शर्मा से आगे हैं। पिछले आईपीएल सीजन में ईशान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने टीम के लिए पहले मैच में शतक लगाया था।

नंगे पैर खेलने से 'गोल ऑफ द टूर्नामेंट' तक

- एशियन कप फुटबॉल में 30 गज से गोल दागकर चर्चा में आई पंजाब की मनीषा कल्याण

सिडनी (एजेंसी)। 2026 विमंस एशियन कप के मैच में भारतीय टीम चीनी ताइपे से 1-0 से पीछे थी। 39वें मिनट में भारत को गोल से 30 गज की दूरी पर फ्री-किक मिली। सामने सफेद जर्सी में चार डिफेंडर दीवार बनकर खड़ी थीं। ऐसे में 24 वर्षीय मनीषा कल्याण एक पल के लिए रुकीं और अपने बाएं पैर से एक ऐसा करारा शॉट दागा कि गेंद क्रॉसबार के निचले हिस्से से टकराकर सीधे गोल लाइन के पार चली गई। वीएआर ने गोल की पुष्टि की और कमेंटेटर ने इसे देखते ही 'गोल ऑफ द टूर्नामेंट' करार दिया। भले ही भारतीय टीम यह मैच 1-3 से हारकर ग्रुप में सबसे नीचे रही, लेकिन पंजाब के होशियारपुर की इस बेटी ने दुनिया को भारतीय फुटबॉल की एक उजली तस्वीर जरूर दिखा दी।

यह सिर्फ एक गोल की नहीं, बल्कि उस लड़की की कहानी है जिसके नसीब में कभी खेल के जूते नहीं थे। आठ साल पहले पंजाब के मुग्गोवाल गांव के एक सरकारी स्कूल में पीटी टीचर ब्रह्मजीत सिंह

ने एक लड़की को लड़कों के साथ नंगे पैर खेलते देखा। वह बेखौफ गोल दाग रही थी। मनीषा के पिता नरेंद्रपाल सिंह की गांव में एक छोटी सी कॉस्मेटिक की दुकान थी। वह अपनी चार बेटियों को सिर्फ पढ़ाना चाहते थे; उनके पास स्पोर्ट्स शूज और ट्रेनिंग के पैसे नहीं थे।

चेल्सी पर 92 करोड़ का जुर्माना, ट्रांसफर बैन भी लगा

ईडन हजार्ड और विलियन के लिए गुप्त भुगतान किए गए, क्लब ने खुद कबूली अपनी गलती

मास्को (एजेंसी)। प्रीमियर लीग ने चेल्सी फुटबॉल क्लब पर वित्तीय नियमों के उल्लंघन के मामले में 92(10 मिलियन पाउंड) करोड़ का जुर्माना लगाया है।

क्लब पर एक साल का ट्रांसफर बैन लगाया गया है, लेकिन इसे दो साल के लिए टाल दिया गया है। यह कार्रवाई 2011 से 2018 के बीच किए गए गुप्त भुगतानों को लेकर की गई है। क्लब ने ईडन हजार्ड, विलियन और डेविड लुइज जैसे बड़े खिलाड़ियों को साइन करने के लिए अनरजिस्टर्ड एजेंटों को करोड़ों रुपए दिए थे।ईडन हज़ार्ड को 2012 में लिली क्लब से 393 करोड़ में साइन किया गया था।

नए मालिकों ने खुद ही दी थी जानकारी, 2022 में शुरू हुई थी जांच- यह पूरी गड़बड़ी उस समय की है जब क्लब के मालिक रूसी अरबपति रोमन अब्रामोविच थे। साल 2022 में जब ब्लूको ग्रुप ने क्लब को खरीदा, तो उन्हें अकाउंट्स की जांच के दौरान इन गुप्त भुगतानों का पता चला। नए मैनेजमेंट ने खुद आगे बढ़कर प्रीमियर लीग को इन उल्लंघनों की जानकारी दी। जांच में सामने आया कि क्लब से जुड़े तीसरे पक्ष के जरिए खिलाड़ियों, अनरजिस्टर्ड एजेंटों और अन्य लोगों को गुप्त भुगतान किए गए थे। इन भुगतानों की जानकारी उस समय फुटबॉल अथॉरिटी को नहीं दी गई थी, जो कि नियमों के खिलाफ है। प्रीमियर लीग के अनुसार ये भुगतान चेल्सी के हित में किए गए थे और इन्हें क्लब के खर्च के रूप में दिखाया जाना चाहिए था। क्लब ने यह भी माना कि इन भुगतानों को छिपाना और सही जानकारी न

देना नियमों का उल्लंघन है। हालांकि जांच के बाद यह साफ हुआ कि अगर इन भुगतानों को सही तरीके से शामिल भी किया जाता, तब भी चेल्सी नियमों का उल्लंघन नहीं करती। अगर क्लब खुद इसकी जानकारी नहीं देता, तो उन पर और भी सख्त कार्रवाई हो सकती थी और उनके प्वॉइंट्स भी काटे जा सकते थे।

- **स्टाफ को सैलरी भी अंडर द टेबल दी गई-** सिर्फ खिलाड़ियों के ट्रांसफर ही नहीं, बल्कि क्लब के स्टाफ को दिए गए पेमेंट में भी गड़बड़ी मिली। क्लब के तत्कालीन डायरेक्टर ऑफ फुटबॉल फैंक अर्नेसन, स्काउट पीट डी विसर और एक अन्य स्टाफ मेंबर को करीब 15 करोड़ रुपए दिए गए थे, जिसे उनकी सैलरी माना गया लेकिन इसे आधिकारिक तौर पर रिपोर्ट नहीं किया गया था।
- **जिन खिलाड़ियों पर विवाद था, उन्होंने चेल्सी को कई खिताब दिलाए-** जिन खिलाड़ियों के ट्रांसफर पर विवाद है, वे चेल्सी के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। इसी समय जोस मोरिन्हो क्लब में वापस आए थे। उस दौर में टीम ने 2 प्रीमियर लीग, 2 एफए कप और यूरोपा लीग समेत कुल 6 बड़ी ट्रॉफियां जीतीं। ईडन हजार्ड ने चेल्सी के लिए 352 मैचों में 110 गोल किए।

मन्नत पूरी होने पर क्रिकेटर रिंकू सिंह दंडवत हुए

मथुरा में बगलामुखी देवी के दर्शन किए

मथुरा (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह मथुरा पहुंचे। उन्होंने बगलामुखी देवी मंदिर में दर्शन किए। यहां पूजा-अर्चना कर मां भगवती का आशीर्वाद लिया। रिंकू सिंह ने कहा- मैंने टीम के विश्वकप जीतने की मां से कामना की थी। मां बगलामुखी के आशीर्वाद से हम टी-20 वर्ल्ड कप जीत गए। रिंकू करीब 45 मिनट तक मंदिर में रहे। इस दौरान उनके साथ भाजपा नेता योगेश द्विवेदी भी थे। भारत ने 8 मार्च को गुजरात के अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से शिकस्त दी थी। वर्ल्ड कप के बीच ही रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया था।

बोले- मां आपके आशीर्वाद से वर्ल्ड कप जीता

- **रिंकू ने फैंस के साथ फोटो खिंचाई-** रिंकू सिंह की एक झलक पाने के लिए मंदिर के बाहर भीड़ लग गई। वह जैसे ही दर्शन करके बाहर निकले, फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। रिंकू ने कहा कि देशवासियों और ब्रजवासियों से हम लोगों को बहुत प्रेम मिला है।

बीजेपी नेता ने रिंकू का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया

रिंकू सिंह सबसे पहले छटीकरा स्थित पूर्व पालिका अध्यक्ष पुष्पा शर्मा के फार्म हाउस पहुंचे। यहां पुष्पा शर्मा और भाजपा नेता पंडित योगेश द्विवेदी ने शॉल ओढ़ाकर रिंकू का सम्मान किया। दोनों ने रिंकू सिंह और भारतीय टीम को विश्वकप जीत की बधाई दी। इसके बाद रिंकू योगेश द्विवेदी के साथ दोपहर करीब 12 बजे पुराने बस स्टैंड के पास स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे। यहां पर सेवायत नीरज चतुर्वेदी उन्हें पूजा के लिए मंदिर के अंदर ले गए। रिंकू ने मां को पहले पुष्प अर्पित किए, फिर भोग लगाने के बाद दीपक जलाया। पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रिंकू सिंह को विशेष पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान रिंकू ने परिवार की सुख-समृद्धि के साथ-साथ देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

वर्ल्ड कप के 5 मैचों में मौका मिला- रिंकू सिंह को 2024 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के स्क्वॉड में जगह नहीं मिली थी। वे ट्रैवलिंग रिजर्व थे। लेकिन, इस टी-20 वर्ल्ड कप में उन्हें मौका मिला। उन्होंने भारत के लिए अपना पहला वर्ल्ड कप खेला। टूर्नामेंट में उन्होंने 5 मैच खेले, जिसमें कुल 24 रन बनाए।

27 फरवरी को रिंकू के पिता खानचंद नहीं रहे

रिंकू के पिता खानचंद सिंह का 27 फरवरी की सुबह 4.36 बजे अलीगढ़ में निधन हो गया था। उनके पिता फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। वह 60 साल के थे। रिंकू पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने अलीगढ़ पहुंचे।पिता के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद रिंकू ने टीम इंडिया को जॉइन किया। विश्वकप जीतने के बाद रिंकू सिंह ने अपने दिवंगत पिता के लिए इमोशनल पोस्ट किया था।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था-पापा आज ट्रॉफी हाथ में है। बस आप साथ नहीं हो। आपका सपना पूरा हो गया।रिंकू सिंह ने आगे लिखा- आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले।

नवागढ़ में अरहर खरीदी का शुभारंभ, समर्थन मूल्य से किसानों में उत्साह

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी का कार्य लगातार गति पकड़ रहा है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में विभिन्न उपार्जन केंद्रों में खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सहजता से मिल सके। इसी क्रम में विकासखंड नवागढ़ स्थित सेवा सहकारी समिति नवागढ़ में अरहर उपार्जन का विधिवत शुभारंभ किया गया। इससे पहले परपोड़ी एवं खंडसरा समितियों में भी खरीदी प्रारंभ की जा चुकी है, और अब नवागढ़ के जुड़ने से किसानों को और अधिक सुविधा उपलब्ध होगी। प्राइस सपोर्ट स्कीम (क्स्स्) के तहत आज नवागढ़ समिति में अरहर खरीदी की शुरुआत की गई, जिसमें 4 किसानों से कुल 31.00 क्विंटल अरहर का उपार्जन किया गया। किसानों को उनकी उपज

का मूल्य 8000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रदान किया गया। समर्थन मूल्य पर खरीदी होने से किसानों में उत्साह का माहौल है और वे अधिकाधिक मात्रा में अपनी उपज उपार्जन केंद्रों तक ला रहे हैं। खरीदी कार्य के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री आर. के. चतुर्वेदी, कृषि विकास अधिकारी श्री अहिरवार, श्री अश्वनी मांडिले, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री संजय अनंत एवं समिति प्रबंधक श्री दिलहरण सोनकर सहित अनेक किसान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मौके पर किसानों से चर्चा कर उन्हें समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय करने के लाभों के बारे में जानकारी दी और अधिकाधिक पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया। जिले में अधिसूचित उपार्जन केंद्रों के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य (क्स्स्) पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी निरंतर संचालित है। अब तक जिले में 36.50 क्विंटल सोयाबीन एवं 115.50 क्विंटल अरहर की खरीदी की जा चुकी है, जो किसानों की बढ़ती जागरूकता और योजनाओं के प्रति विश्वास को दर्शाता है।

कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें पंजीयन एवं विक्रय के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी के तहत जिले में अब तक 419 किसानों द्वारा सरसों फसल का पंजीयन कराया जा चुका है और शीघ्र ही सरसों का उपार्जन भी प्रारंभ किया जाएगा। सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पंजीकृत उपार्जन केंद्रों में अधिक से अधिक संख्या में अपनी उपज विक्रय करें, ताकि उन्हें शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का पूरा लाभ मिल सके और उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

राजकीय सर्जिकल कॉन्फ्रेंस में डॉ. शुभम गुप्ता हुए सम्मानित

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

बीते दिनों 15 मार्च को राजकीय सर्जिकल कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेंस एशोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में संपन्न हुई, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से प्रख्यात सर्जन एवं विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न राज्यों से आए नामचीन संस्थानों के वरिष्ठ सर्जन एवं प्रोफेसर मुख्य अतिथि एवं गेस्ट स्पीकर के रूप में शामिल हुए। इनमें के. ई. एम. हॉस्पिटल, कानपुर मेडिकल कॉलेज तथा सावंगी मेडिकल कॉलेज, वर्धा के सुप्रसिद्ध सर्जन शामिल रहे। सम्मेलन के दौरान आधुनिक सर्जिकल तकनीकों, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी और लेज़र सर्जरी जैसे विषयों पर विस्तृत वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में जांजगीर-चांपा जिले के प्रख्यात सर्जन स्वर्गीय डॉ. एस. पी. गुप्ता के सुपुत्र डॉ. शुभम गुप्ता को विशेष आमंत्रण पर वक्तव्य देने का अवसर मिला। डॉ. गुप्ता गुदा रोग विशेषज्ञ एवं लेज़र सर्जन हैं। उन्होंने भगंदर (फिस्टुला) एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विषय पर अपने अनुभव और आधुनिक उपचार पद्धतियों को साझा किया, जिसे विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने सराहा। डॉ. शुभम गुप्ता को उनके उत्कृष्ट सर्जिकल कार्य और वैज्ञानिक प्रस्तुति के लिए सम्मानित भी किया गया। इस सम्मेलन में वे सबसे कम उम्र के लेज़र सर्जन रहे, जिन्हें दो स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि को जांजगीर-चांपा जिले के लिए हर्ष और गर्व का विषय बताया जा रहा है। सम्मेलन में उपस्थित सर्जनों और विशेषज्ञों ने डॉ. गुप्ता के कार्य की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेलवे ओवरब्रिज के नीचे तेज रफ्तार हाइवा ने ली युवक की जान, चालक फरार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला बिरगहनी चौक के आगे रेलवे ओवरब्रिज के नीचे का है, जहां एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार युवक को जोरदार ठोकर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना मिलते ही जांजगीर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फ़रार हो

गया, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। मृतक की पहचान देवरहा निवासी रवि केवट पिता शांतिलाल केवट, उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोगों ने तेज रफ्तार भारी वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

जिला पंचायत में योजनाओं की गहन समीक्षा, बेहतर क्रियान्वयन के दिए गए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पद्माकर की अध्यक्षता में ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रगति की स्थिति का मूल्यांकन एवं जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना रहा। बैठक में प्रमुख रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा बिहान योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने योजनाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की बिंदुवार जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि

सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया गया कि सभी ग्राम पंचायतों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, जिन कार्यों की स्थिति मनरेगा एमआईएस पर अपूर्ण प्रदर्शित हो रही है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर अधिक श्रमिक लगाकर शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा समय पर सीसी जारी करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास निर्माण कार्यों में प्रत्येक हितग्राही को 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शत-प्रतिशत मास्टर रोल जारी कर निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता में रखते हुए रिचार्ज पिट, सोक पिट, डाबरी निर्माण जैसे सभी स्वीकृत कार्यों को भौतिक रूप से समयबद्ध पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश प्रदान किए गए। श्रीमती पद्माकर ने मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को तेजी से पूर्ण करने, मजदूरों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण एवं स्वच्छता गतिविधियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। सभी सक्रिय श्रमिक का ई केवाय सी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए । प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, हितग्राहियों को समय पर किस्तों का भुगतान सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बिहान योजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करने पर भी बल दिया गया।

बैठक में तकनीकी सहायक, विकासखंड समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा एवं आवास) सहित जनपद एवं जिला स्तर के सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाने के निर्देश दिए गए। अंत में सीईओ जिला पंचायत ने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, इसलिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते हुए कार्य करें, ताकि जिले में विकास कार्यों की गति और अधिक तेज हो सके तथा आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

विधानसभा में शिक्षा मंत्री का स्पष्टीकरण

बीजापुर/मूक पत्रिका

बीजापुर जिले के गंगालूर स्थित पोटा केबिन हाई स्कूल छात्रावास की छात्राओं के गर्भवती होने की खबर को लेकर विधानसभा में चर्चा हुई। इस पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सदन में स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मामले की जांच कराई गई है और खबर भ्रामक पाई गई है। मंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा कराई गई जांच में सामने आया कि जिन तीन छात्राओं का उल्लेख किया जा रहा है, उनमें से दो छात्राएं पोटा केबिन हाई स्कूल छात्रावास की निवासी नहीं हैं। वे गंगालूर के स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय में पढ़ाई करती हैं और घर से ही स्कूल आती-जाती हैं। उन्होंने बताया कि समाचार में जिस तीसरी छात्रा का जिक्र किया गया है, वह पहले छात्रावास में रहती थी, लेकिन 18

अक्टूबर 2025 को दीपावली अवकाश में घर जाने के बाद छात्रावास वापस नहीं आई। बाद में 6 नवंबर 2025 को छात्रा ने आवेदन देकर घर से आना-जाना कर पढ़ाई जारी रखने की जानकारी दी थी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि छात्रा को छात्रावास से निष्कासित नहीं किया गया है, बल्कि उसने स्वयं छात्रावास में रहना छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि मामले में संबंधित छात्राओं और उनके अभिभावकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

नवरात्रि, ईद और रामनवमी को लेकर कांकेर पुलिस अलर्ट, शांति समिति बैठक में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / कांकेर 18 फरवरी 2026 नवरात्रि, ईद और रामनवमी जैसे आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में आयोजित इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, एसडीओपी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी और पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी। डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं जुलूसों के दौरान उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी समितियों को अपने कार्यक्रमों की पूर्व सूचना संबंधित थाने को देने के लिए कहा गया है। साथ ही पूजा पंडालों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई, प्रकाश एवं पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कांकेर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। आपात स्थिति में नागरिक नजदीकी थाना, पुलिस कंट्रोल रूम या हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर संपर्क कर सकते हैं।

केसकुतुल में सीआरपीएफ 65वीं वाहिनी का सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित

बीजापुर/मूक पत्रिका

सीआरपीएफ की 65वीं वाहिनी की सी कंपनी, कैम्प केसकुतुल की ओर से ग्रामीणों के लिए सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कंपनी कमांडर सुभाष ने किया। इस अवसर पर भैरमगढ़ थाना प्रभारी एकेश्वर नाग भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों को दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की गई। इनमें बैग, बर्तन, साड़ी, कंबल और टॉर्च जैसी आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। सामग्री मिलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया।

इसके साथ ही कार्यक्रम में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें जरूरत के अनुसार दवाइयां भी वितरित की गईं। इससे दूर-दराज के गांवों से आए लोगों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधा मिल सकी। ग्रामीणों ने सीआरपीएफ की इस पहल की सराहना करते हुए सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताया। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में विश्वास और सहयोग का माहौल मजबूत करने के लिए समय-समय पर इस तरह के सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे ग्रामीणों को सीधे तौर पर लाभ मिल सके।

जरूरतमंदों को बांटी उपयोगी सामग्री, स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों का हुआ इलाज

गंगालूर में सीआरपीएफ 222 बटालियन का सिविक एक्शन कार्यक्रम, 600 से ज्यादा ग्रामीणों को मिली मदद

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । नक्सल प्रभावित इलाके गंगालूर में सीआरपीएफकी 222 बटालियन ने ग्रामीणों के लिए सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम आईजी (सीजी) शालिन, आईपीएस के मार्गदर्शन और डीआईजी (ऑप्स) बी.एस. नेगी के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के 13 अंदरूनी गांवों से 600 से अधिक ग्रामीण पहुंचे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी ने सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों के बीच बढ़ते भरोसे को दिखाया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम आने वाली कई तरह की सामग्री वितरित की गई। इसमें पानी के टैंक, सोलर लाइट, सोलर लालटेन, बर्तन, खाना बनाने के सामान, पुरुषों और महिलाओं के कपड़े, चप्पल, कंबल और खेती के औजार शामिल थे। गांव के युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए फुटबॉल, वॉलीबॉल, वॉलीबॉल नेट और क्रिकेट किट भी बांटे गए, ताकि वे खेल गतिविधियों से जुड़ सकें। इसके साथ ही कार्यक्रम में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। शिविर में डॉ. अनंथा (एसएमओ) ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें जरूरी सलाह के साथ मुफ्त दवाइयां दीं। दूरदराज के गांवों से आए लोगों को इसका सीधा फायदा मिला। कार्यक्रम से लाभान्वित ग्रामीणों ने सीआरपीएफ के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन से गांवों के लोगों को राहत मिलती है और सुरक्षा बलों के प्रति भरोसा भी बढ़ता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।